उत्तर प्रदेश सरकार

कला पुस्तिका

कलांकुर

बालवाटिका हेतु (3 से 6 वय वर्ग तक)

राज्य शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ

कला पुस्तिका

कलांकुर

बालवाटिका हेतु (3 से 6 वय वर्ग तक)

नाम	:	....
माता का नाम	:	....
पिता का नाम	:	....
विद्यालय का नाम	:	....
मोबाइल न०	:	....
पता	:	....

राज्य शैक्षिक अनुसन्धान और प्रशिक्षण परिषद,
उत्तर प्रदेश, लखनऊ

डॉ0 अंजना गोयल
निदेशक

राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद
लखनऊ ।

संदेश

'**कला**' मनोभावों को प्रकट करने का एक मनोरंजक माध्यम है। कलांकुर (3 से 6 वय वर्ग) के बच्चों हेतु निर्धारित पाठ्यक्रमीय उद्देश्यों की पूर्ति हेतु सम्बन्धित विषयवस्तु, चित्रों, अभ्यासों के द्वारा बच्चों में परिवेशीय संदर्भो व अनुभवों का उपयोग करते हुए स्वयं सक्रिय रहकर सीखने का अवसर देती है।

महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, उत्तर प्रदेश की प्रेरणा से राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद, लखनऊ के तत्वावधान में राजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय, आगरा द्वारा पूर्व प्राथमिक स्तरीय कला पुस्तिका ''**कलांकुर**'' का विकास किया गया है। यह पुस्तिका पूर्व प्राथमिक स्तर पर बच्चों के मनोभावों को विकसित कर उन्हें अभिव्यक्ति का अवसर उपलब्ध करायेगी। साथ ही बच्चों में उनके हाथ व दृष्टि के सामंजस्य की क्षमता भी विकसित होगी।

प्रधानाचार्य, राजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय आगरा एवं उनकी टीम द्वारा पूर्ण मनोयोग से ''**कलांकुर**'' को गुणवक्तायुक्त बनाकर एक अभिनव प्रयोग किया गया है। यह पुस्तक पूर्व प्राथमिक स्तर (3 से 6 वय वर्ग) के बच्चों को विभिन्न रंग, आकार, पेंसिल, कलम व रंगों से कागज पर विभिन्न परिवेशीय वस्तुओं से कुछ गढ़ने का अवसर प्रदान करेगी।

'**कलांकुर**' के विकास एवं सार्थक प्रयोग हेतु प्रधानाचार्य, राजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय, आगरा एवं उनकी टीम को बहुत-बहुत शुभकामनाएँ।

डॉ0 (अंजना गोयल)

डॉ. आई. पी. एस सोलंकी
पी.ई.एस.
उप शिक्षा निदेशक / प्राचार्य

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान,
आगरा

संदेश

मुझे यह जानकर अपार प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि महानिदेशक, स्कूल शिक्षा एवं राज्य परियोजना निदेशक, उत्तर प्रदेश एवं राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद, उत्तर प्रदेश, लखनऊ के संयुक्त प्रेरणा स्वरूप राजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय, आगरा को बालवाटिका (3-6 वय वर्ग तक) की कला पुस्तिका **"कलांकुर"** का सृजन करने का अवसर प्राप्त हुआ है।

कला पुस्तिका **"कलांकुर"** में नन्हे बच्चों के प्रति रुचि उत्पन्न करने की कोशिश की गई है क्योंकि बचपन में बच्चे जिन वस्तुओं से परिचित हो जाते हैं, उसे जीवन पर्यंत स्मरण में रखते हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि कला पुस्तिका **"कलांकुर"** को बच्चों के मानस पटल की क्षमता एवं दृष्टि को और निखारने का माध्यम बनेगी ।

मैं राजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय, आगरा में सृजित कला पुस्तिका **कलांकुर** में समस्त विशेषज्ञों, प्रशिक्षुओं एवं अन्य सहयोगियों को हार्दिक बधाई एवं सफलता हेतु शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(डॉ. आई. पी. एस सोलंकी)

ऋचा पण्डित
सहायक अध्यापिका
नोडल/प्रभारी

राजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय
आगरा

आमुख से....

'कला' मानव की सभ्यता, संस्कृति, शिक्षा व दीक्षा के क्रमिक विकास के मध्य स्थिर रही है, जिसमें वातावरण का प्रभाव आकृतियां, शैली, उपकरण, दैनिक क्रियाओं, मनोरंजन के साधनों एवं उत्सवों आदि का विकास होता दिखाई देता है। विशेषकर बचपन की सहज- सुलभ कलाकृतियों में अवचेतन की अद्‌भुत छाप मिलती है। इसी छाप को **'कलांकुर'** कला पुस्तिका में मन के भावों की अभिव्यक्ति के रूप में संकलित किया गया है।

''कलांकुर'' एक बड़ा पेड़ बनने से पहले धरा के किसी कोने में नवांकुर की भांति है, जिसे धरती माँ पल्लवित और पोषित करती है, उसी प्रकार कलांकुर शैशव मन के तुतलाते दृश्यों का मानस प्रयास है। जिसमें 'चीकू और मीटू' नामक दो चूहा-चूही रूपी शुभंकर प्रत्येक पृष्ठ में अपने मोहक रूपों में प्राथमिक एवं द्वितीयक आकारों व रंगों में दैनिक वस्तुओं की पहचान, आस-पास के लघु जीवो में चींटी, तितली, गौरैया व भेड़ आदि का परिचय, पत्तियों के आकारों के परिचय के रूप में पीपल व बरगद, रंगीन छापा की अभिव्यक्ति के लिए हाथ व अंगूठे का प्रयोग, अनुप्रयुक्त सामग्री के समुचित प्रयोग हेतु ऊन, जूट, अखबार आदि का खेल-खेल में प्रयोग इसके अतिरिक्त नन्हे बच्चों को अधिगम परिचय मात्र के लिए भाषा (हिन्दी व अंग्रेजी) एवं गणित की क्रियाशीलता को रूचिकर बनाने हेतु छिड़काव, प्रतिबिंब, रुई व पेंसिल छीलन पद्धतियों के साथ-साथ त्रिआयामी प्रभाव के रूप में रंगीन मिट्टी का प्रयोग बच्चों में कला के प्रति नवांकुर प्रयास का द्योतक है। जिसके पीछे कलांकुर दल ने कड़ी मेहनत और कलानुरूप भावों के खोखले चित्रों में रंग व फन भर दिया हैं।

उन सभी महानुभावों को हार्दिक बधाई एवं सादर धन्यवाद **उत्तर प्रदेश सरकार** का जिसने हम सबको समर्थवान समझकर यह पुनीत कार्य सौंपा है। साथ ही मैं **शिक्षा महानिदेशक महोदय** की अपार आभारी हूं, जिन्होंने **राजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय, आगरा** को इस शाश्वत् कार्य हेतु चुना।

सधन्यवाद!

Richa Pandit

(ऋचा पण्डित)

कला पुस्तिका की विकास यात्रा

मुख्य संरक्षक	:	श्री दीपक कुमार (आई.ए.एस), प्रमुख सचिव, बेसिक शिक्षा , उत्तर प्रदेश।
संरक्षण	:	श्री विजय किरन आनन्द, महानिदेशक (स्कूल शिक्षा) उ0प्र0 तथा राज्य परियोजना निदेशक, उ0प्र0,सभी के लिए शिक्षा परियोजना परिषद, लखनऊ।
निर्देशन	:	डॉ0 अंजना गोयल, निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद उ0प्र0, लखनऊ।
सहनिर्देशन	:	डॉ0 पवन सचान, संयुक्त निदेशक (एस.एस.ए.) राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद उ0प्र0, लखनऊ।
समन्वयन	:	श्री आई0पी0एस0 सोलंकी, उप शिक्षा निदेशक/प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान, आगरा।
सह समन्वयन	:	श्री धीरेन्द्र कुमार, (वरिष्ठ प्रवक्ता) डायट, आगरा।
परामर्श	:	श्रीमती दीपा तिवारी, उप शिक्षा निदेशक, राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद उ0प्र0, लखनऊ। श्रीमती शिप्रा सिंह प्रवक्ता शोध (अंग्रेजी) राज्य शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद उ0प्र0, लखनऊ।
नोडल/प्रभारी	:	श्रीमती ऋचा पंडित, (स.अ.)राजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय, आगरा।
लेखन एवं संपादन	:	डॉ0 डी0 के0 गुप्ता, प्रवक्ता (कला) डायट, आगरा। श्रीमती ऋचा पंडित (स.अ.) राजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविद्यालय, आगरा। सुश्री श्रेया सिंह (स.अ.), श्री केदारनाथ सेकसरिया अ.इ.का. बेलनगंज, आगरा।
मुख्य विषय विशेषज्ञ	:	डॉ0 डी0 के0 गुप्ता, प्रवक्ता (कला) डायट, आगरा।
ग्राफिक आर्टिस्ट एवं चित्रांकन	:	डॉ0 अरविन्द कुमार राजपूत (असि.प्रा.) ललित कला संस्थान, आगरा। श्री सुनील कुमार (स.अ.) श्री शिवप्रसाद रा.इ.का.,अछनेरा, आगरा।, सुश्री महिमा सिंह, आगरा। सुश्री श्रेया सिंह (स.अ.), श्री केदारनाथ सेकसरिया अ.इ.का. बेलनगंज, आगरा। श्रीमती रेनू मलिक, (स.अ.) रसूलपुर, फतेहपुर सीकरी, आगरा। श्री पारस जैन (रपरिया) बेलनगंज, आगरा।
परिशोधन	:	श्री अनिल कुमार प्रवक्ता (हिन्दी) डायट, आगरा। डॉ0 मनोज कुमार वार्ष्णेय, प्रवक्ता डायट, आगरा। डॉ0 राजेन्द्र चौहान, (स.अ.), हिन्दी राजकीय इण्टर कॉलेज,आगरा। श्रीमती चारू सोलंकी (स.अ.), संस्कृत राजकीय इण्टर कॉलेज,आगरा।
नामकरण	:	श्री आनन्द कुमार,प्रवक्ता (कला) डायट, इटावा।
मुद्रण	:	श्री सोहन लाल दीक्षित, (वरि.स.) एवं श्री पंकज शुक्ला, (कनि. स.) राजकीय शिशु प्रशिक्षण महिला महाविद्यालय,आगरा।

विषय सूची

अभ्यास क्रमांक	अभ्यास का नाम	पृष्ठ संख्या
3 – 4 वय वर्ग हेतु		
1.	प्राथमिक आकारों की पहचान	1 – 3
2.	आकारों का विस्तृत स्वरुप	4 – 6
3.	प्राथमिक रंगों की पहचान	7 – 9
4.	द्वितीयक रंगों की पहचान	10 – 12
4 – 5 वय वर्ग हेतु		
5.	आकारों व रंगों की पहचान	13 – 15
6.	रंगों का अभ्यास	16 – 18
7.	पेंसिल रेखांकन	19 – 21
8.	रंग प्रसार विधि	22 – 23
9.	हस्त छापाकृति	24 – 25
10.	पत्ती छापाकृति	26 – 27
11.	अंगूठा छापाकृति	28 – 29
12.	सुतली से आकार बनाना	30 – 32
5 – 6 वय वर्ग हेतु		
13.	कागज कोलाज चित्रण	33 – 34
14.	अक्षराकृति	35 – 37
15.	प्रतिबिम्ब आकृति	38 – 39
16.	बिंदु चित्रण	40 – 41
17.	क्षेपांकन चित्रण	42 – 45
18.	उभरी सतह प्रणाली	46 – 47
19.	धूलि चित्रण	48 – 49
20.	छिड़काव चित्रण	50 – 52
21.	मृद गढ़नशीलता	53 – 56

अभ्यास-1
प्राथमिक आकारों की पहचान

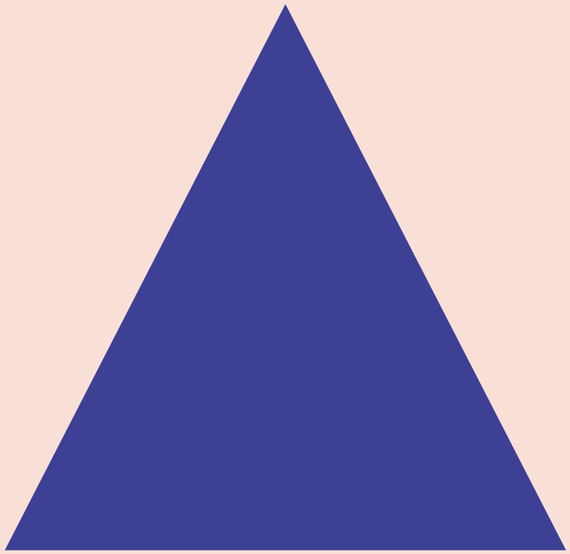

त्रिभुज

आयत

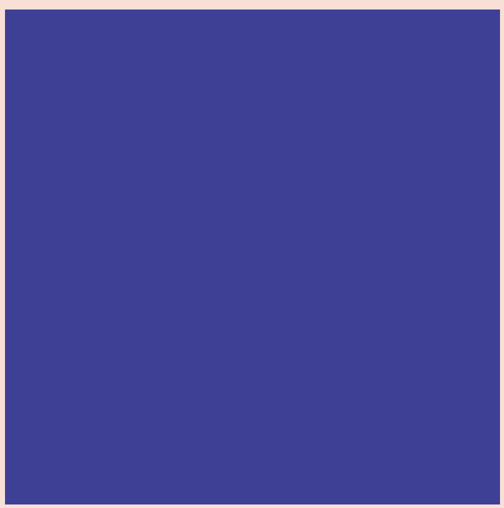

वर्ग

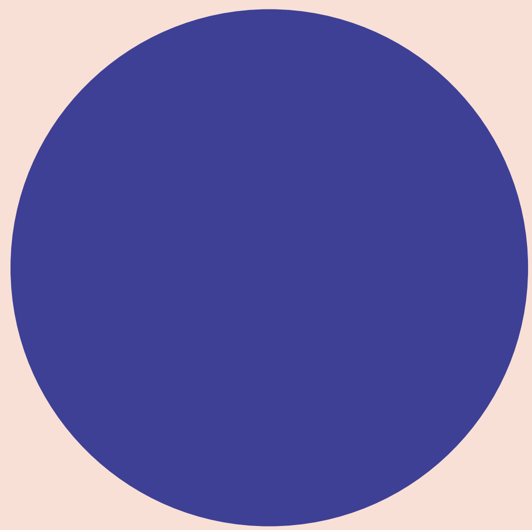

वृत्त

निकालें गये रंगों के कट-आउट को प्राथमिक आकारो पर रखकर मिलान करवाएं।

X4T3G5

अभ्यास–1
प्राथमिक आकारों की पहचान

कट–आउट को बाहर निकालें।

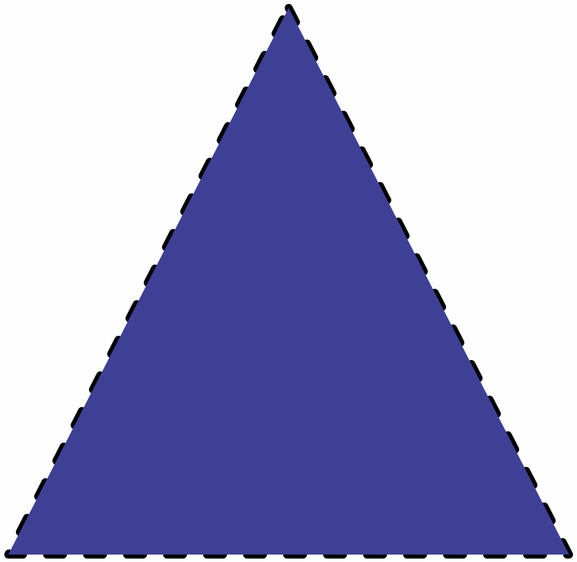

त्रिभुज

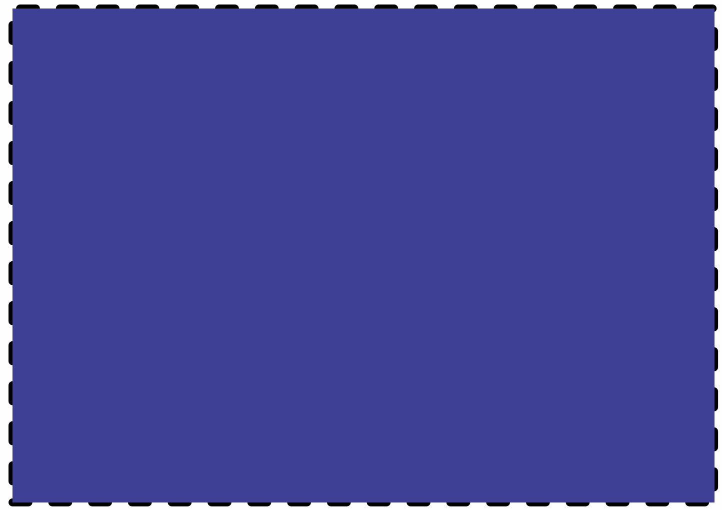

आयत

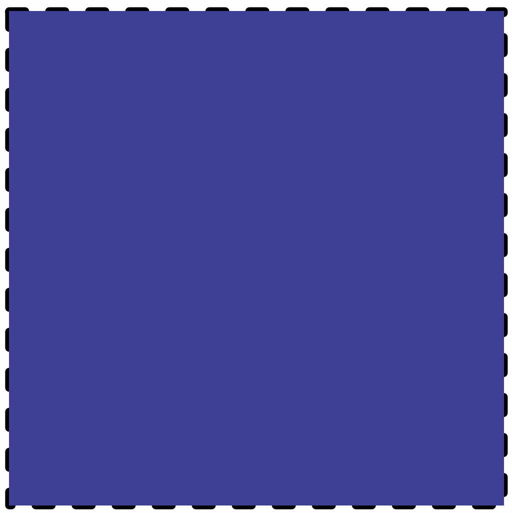

वर्ग

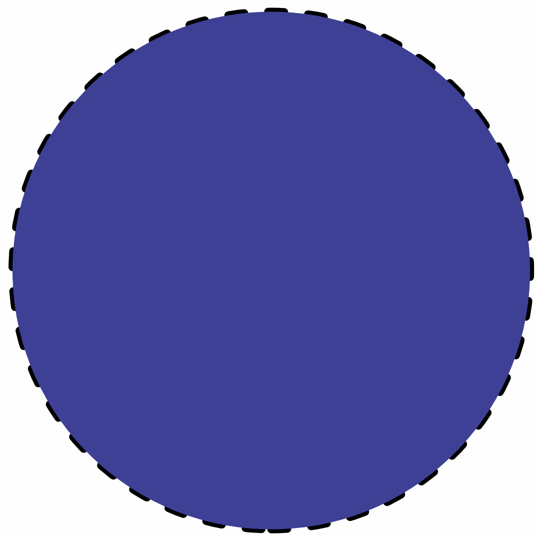

वृत्त

अभ्यास-1
प्राथमिक आकारों की पहचान

घरेलू वस्तुओं में प्राथमिक आकारों का रूप पहचानना।

पत्ती

श्याम पट्ट

कैरम बोर्ड

थाली

अभ्यास-2

आकारों का विस्तृत स्वरूप

शंकु

अर्धवृत्त

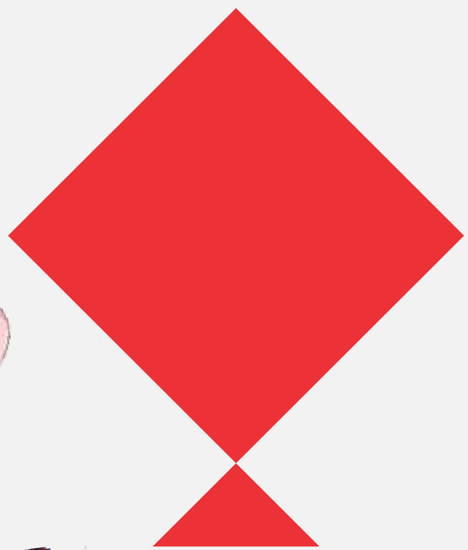

पतंगाकार

षट्कोण

निकालें गये रंगों के कट-आउट को गोंद की सहायता से चिपकाएँ।

Q1D4T8

अभ्यास-2
आकारों का विस्तृत स्वरूप

कट-आउट को बाहर निकालें।

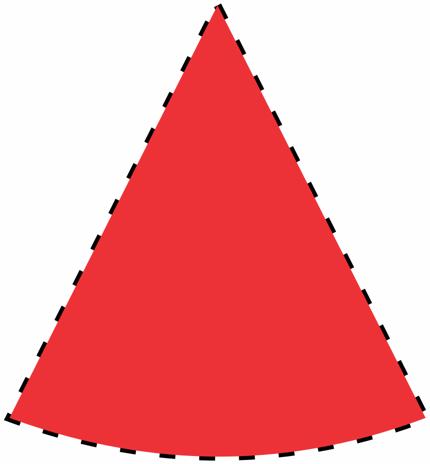

शंकु

अर्धवृत्त

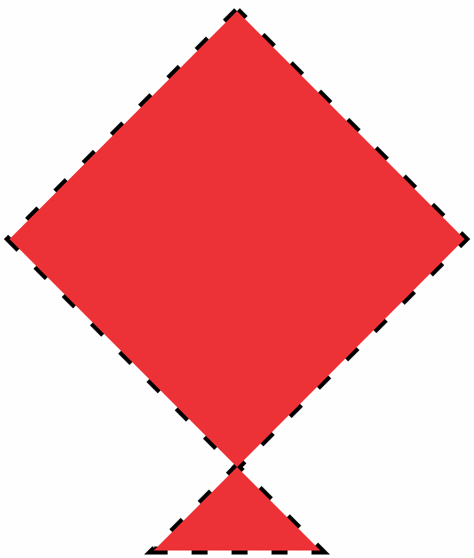

पतंगाकार

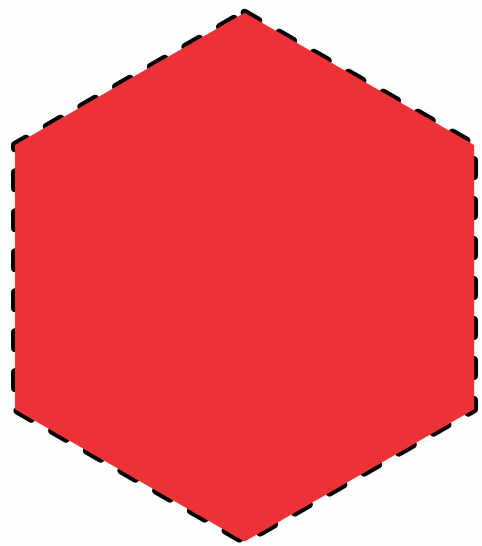

षट्कोण

अभ्यास-2
आकारों का विस्तृत स्वरूप

घरेलू वस्तुओं में द्वितीयक आकारों का रूप पहचानना।

टोपी

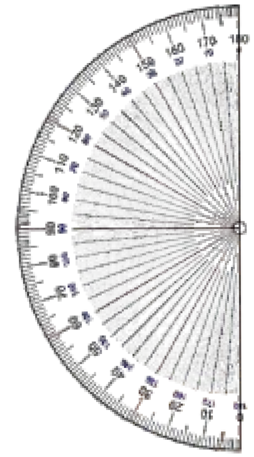

चांदा

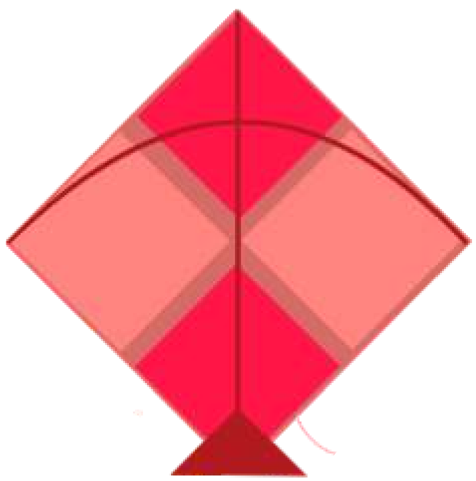

पतंग

बोल्ट

अभ्यास-3
प्राथमिक रंगों की पहचान

पीला	लाल	नीला

निकालें गये रंगों के कट-आउट को गोंद की सहायता से चिपकाएँ।

I9U6Q6

प्राथमिक रंगों की पहचान

कट-आउट को बाहर निकालें।

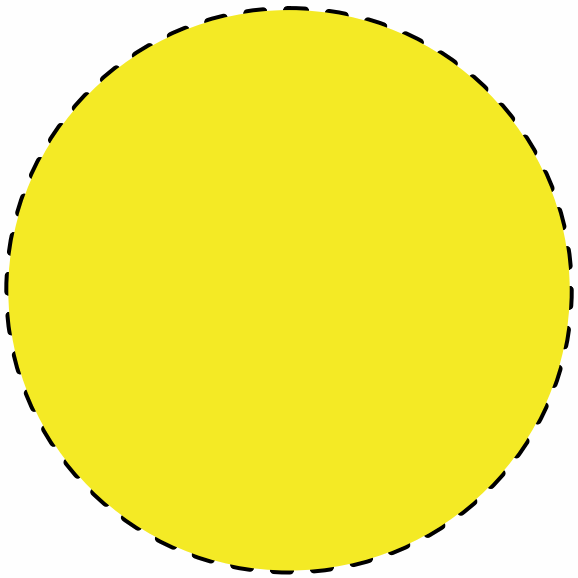

पीला

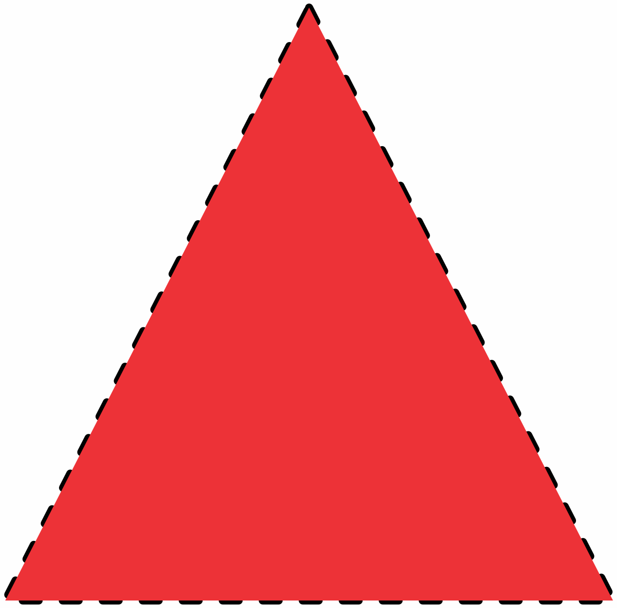

लाल

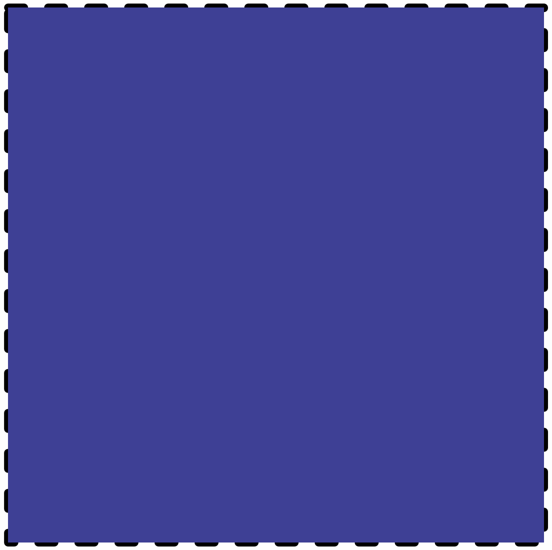

नीला

अभ्यास-3
प्राथमिक रंगों की पहचान

घरेलू वस्तुओं में प्राथमिक रंगों को पहचानना।

सरसों का फूल

टमाटर

बादल

अभ्यास-4
द्वितीयक रंगों की पहचान

हरा

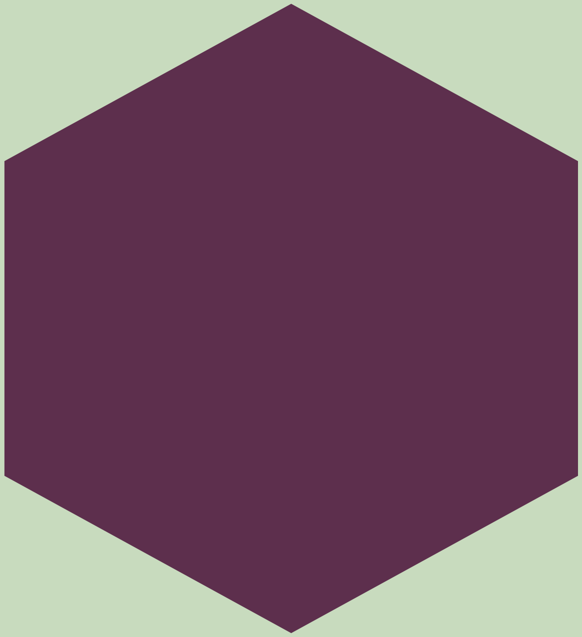

बैंगनी

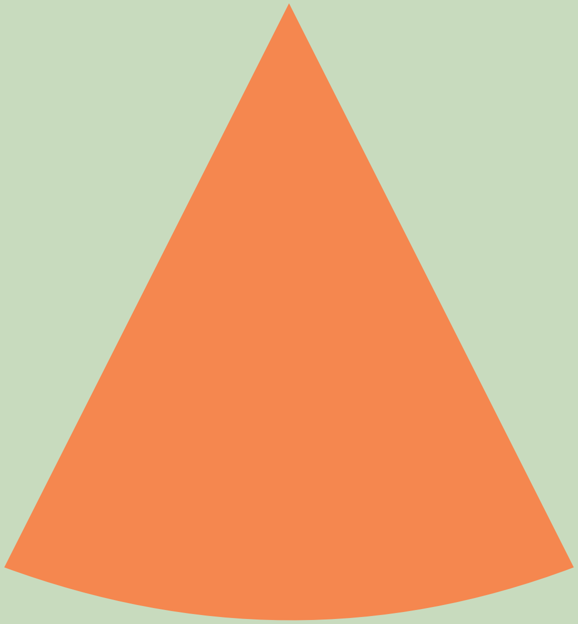

नारंगी

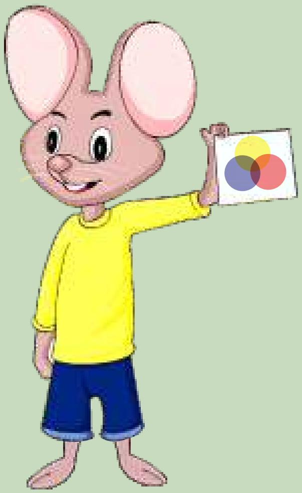

निकालें गये रंगों के कट-आउट को गोंद की सहायता से चिपकाएँ।

V6G1F2

अभ्यास-4
द्वितीयक रंगों की पहचान

कट-आउट को बाहर निकालें।

हरा

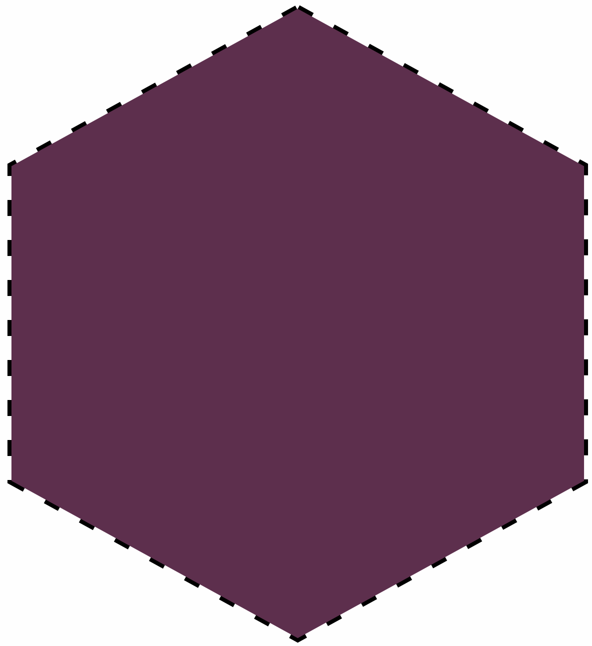

बैंगनी

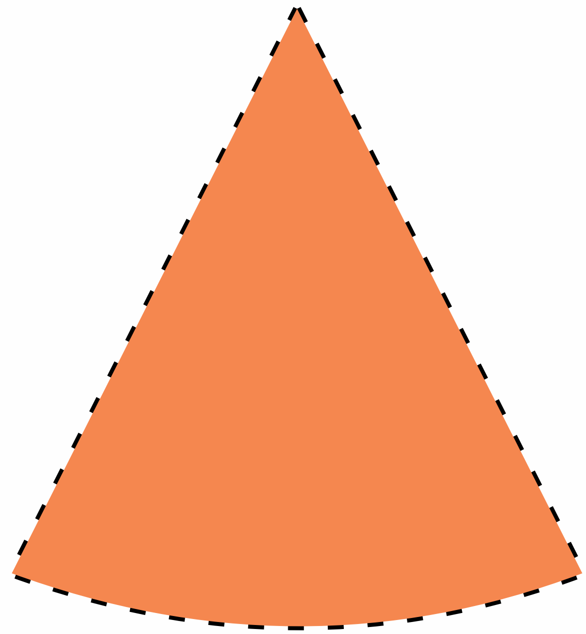

नारंगी

घरेलू वस्तुओं में द्वितीयक रंगों को पहचानना।

पत्ती

बैंगन

संतरा

अभ्यास-5

आकारों व रंगों की पहचान

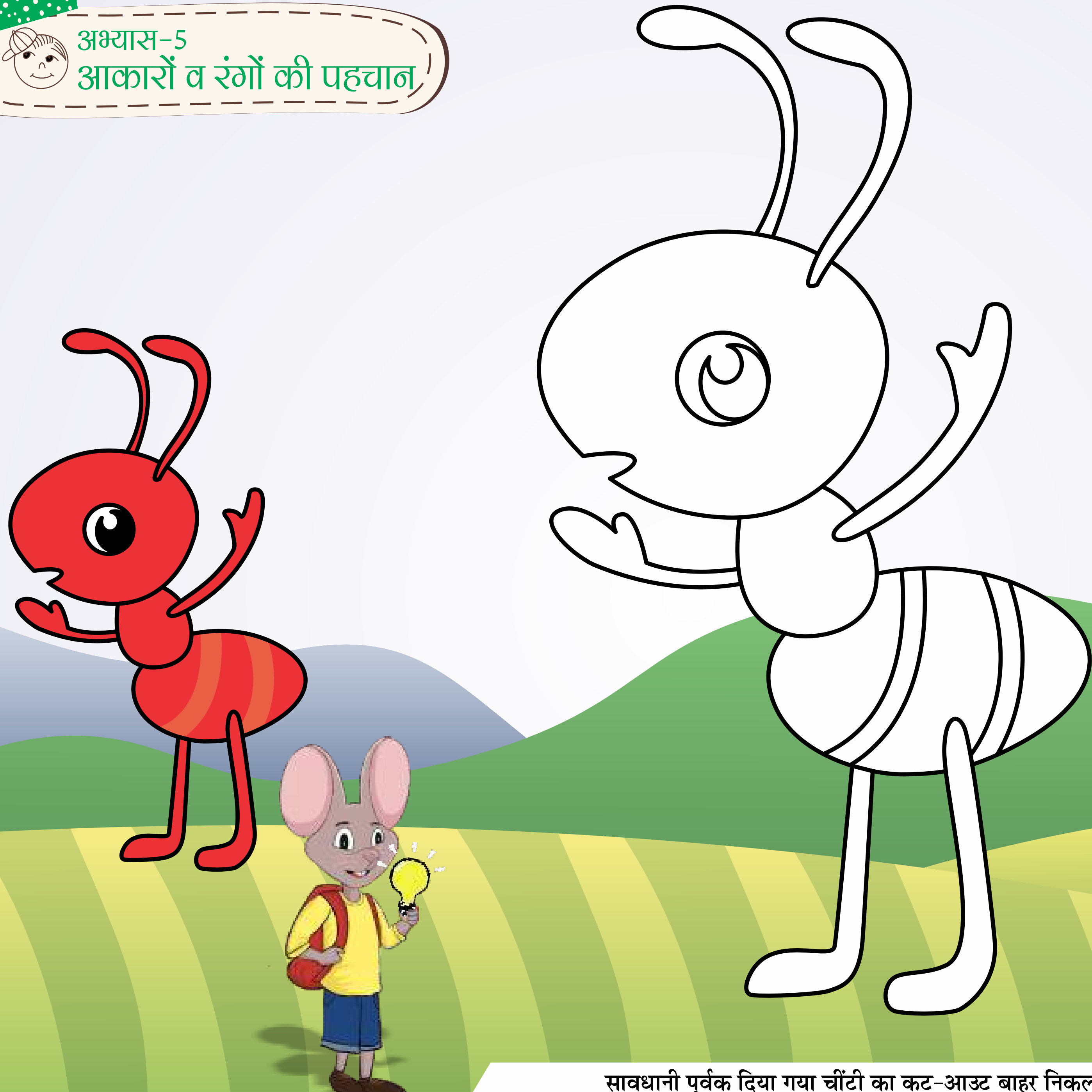

सावधानी पूर्वक दिया गया चींटी का कट-आउट बाहर निकलवाएँ। आकृति के अनुसार सामान आकार व रंग पर रखवाएं कट-आउट पर गोंद की सहायता से चिपकाएँ।

कट-आउट को बाहर निकालें।

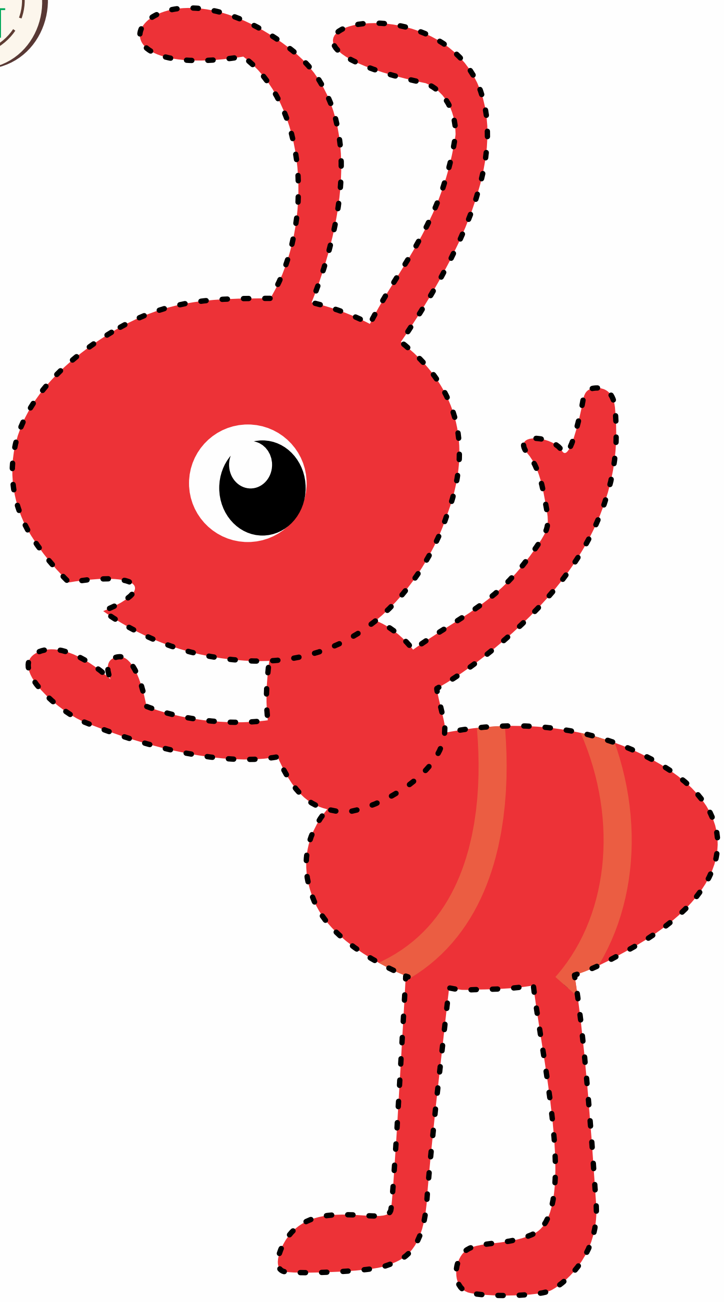

अभ्यास-5

आकारों व रंगों की पहचान

बच्चों में विभिन्न आकारों एवं रंगों की पहचान व समझ विकसित करना।

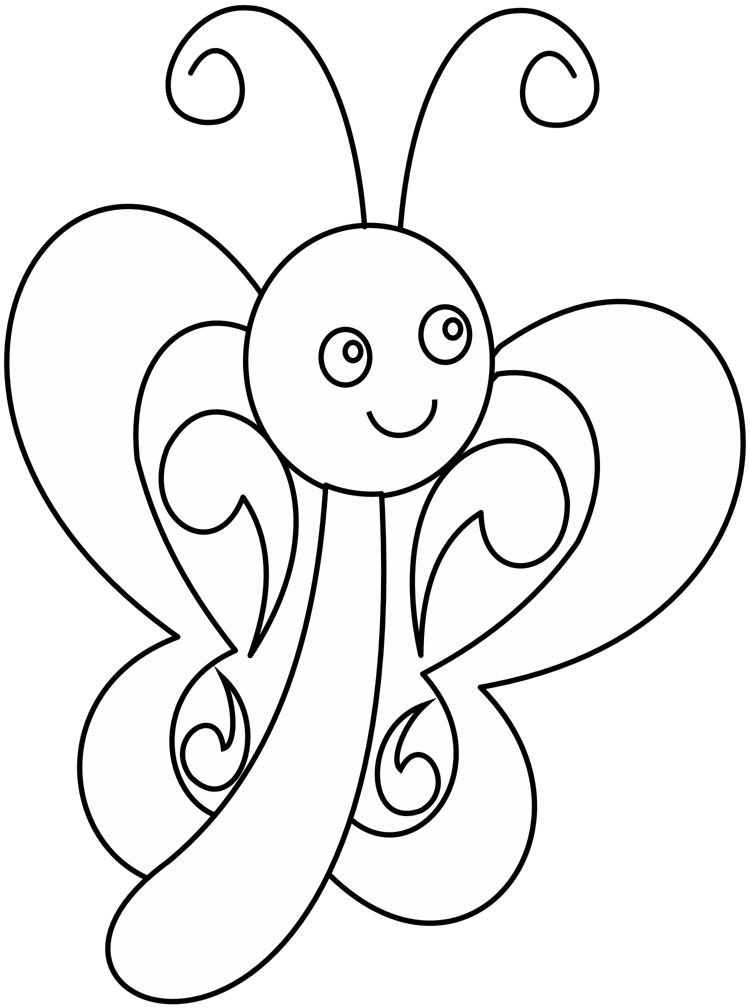

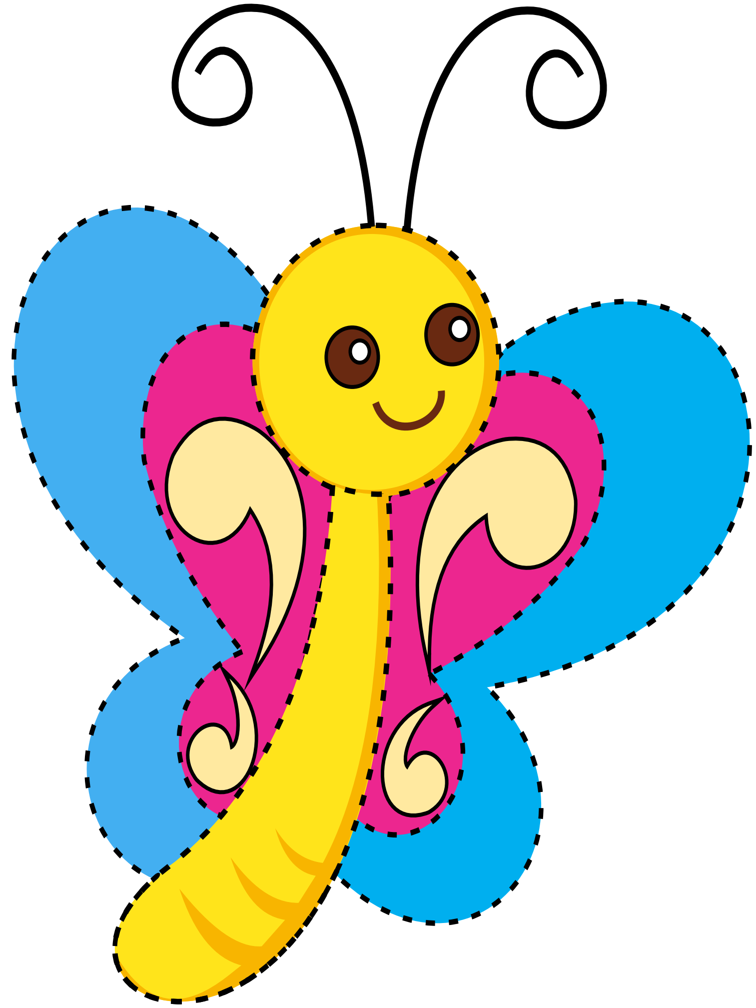

अभ्यास-6
रंगों का अभ्यास

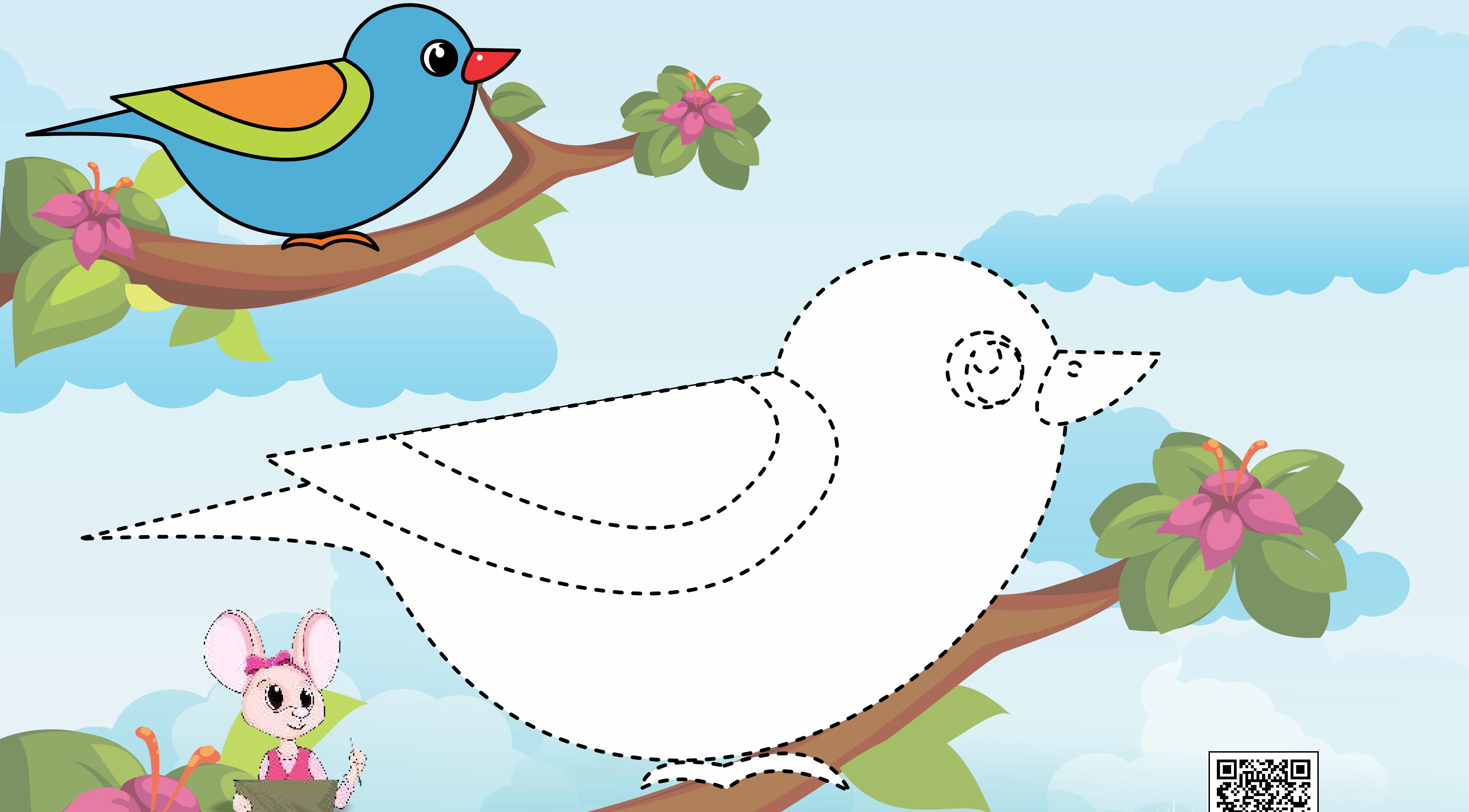

आभासीय आकृति को पेंसिल द्वारा रेखांकित करवाएं। रंगीन पेंसिल की सहायता से आकृति के अनुसार सावधानीपूर्वक रंग भरवाएं।

Z9Y4R2

अभ्यास-6
रंगों का अभ्यास

बच्चों को बिंदु के माध्यम से रेखा बनाना व रंग की पहचान कर उचित जगह पर रंग भरने की समझ विकसित कराना।

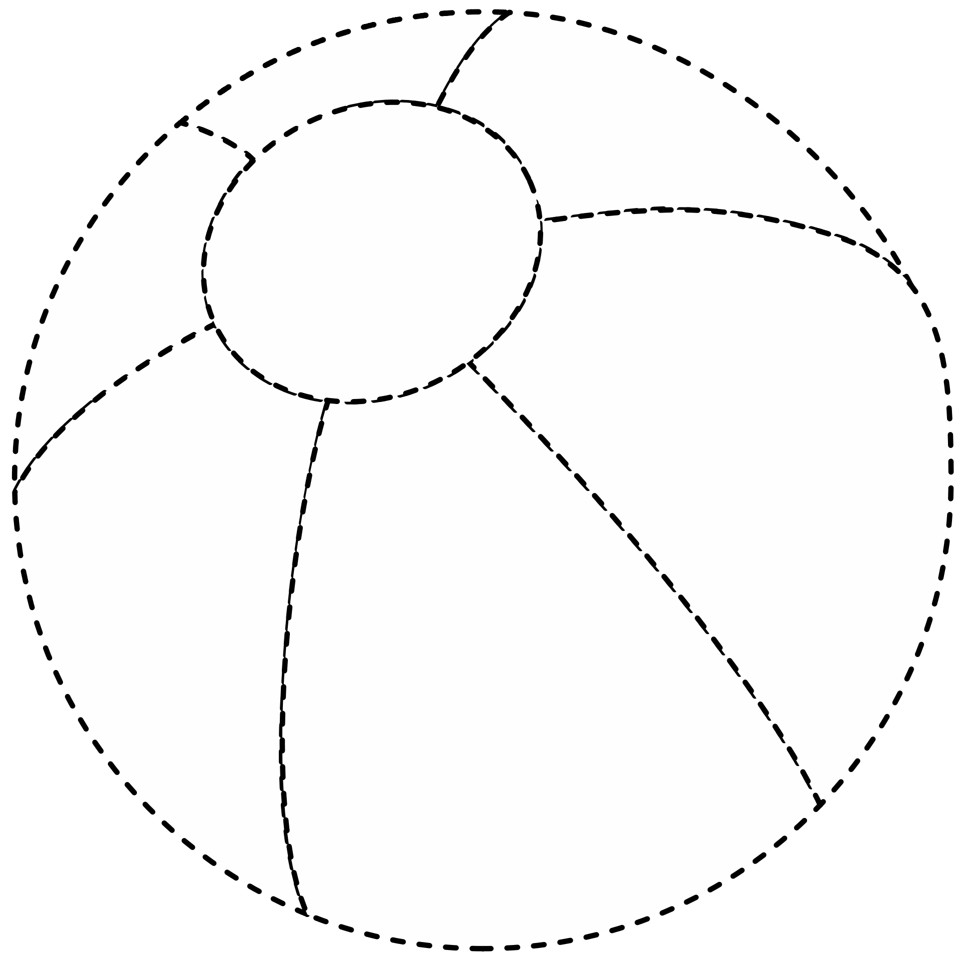

अभ्यास-6
रंगों का अभ्यास

बच्चों को बिंदु के माध्यम से रेखा बनाना व रंग की पहचान कर उचित जगह पर रंग भरने की समझ विकसित कराना।

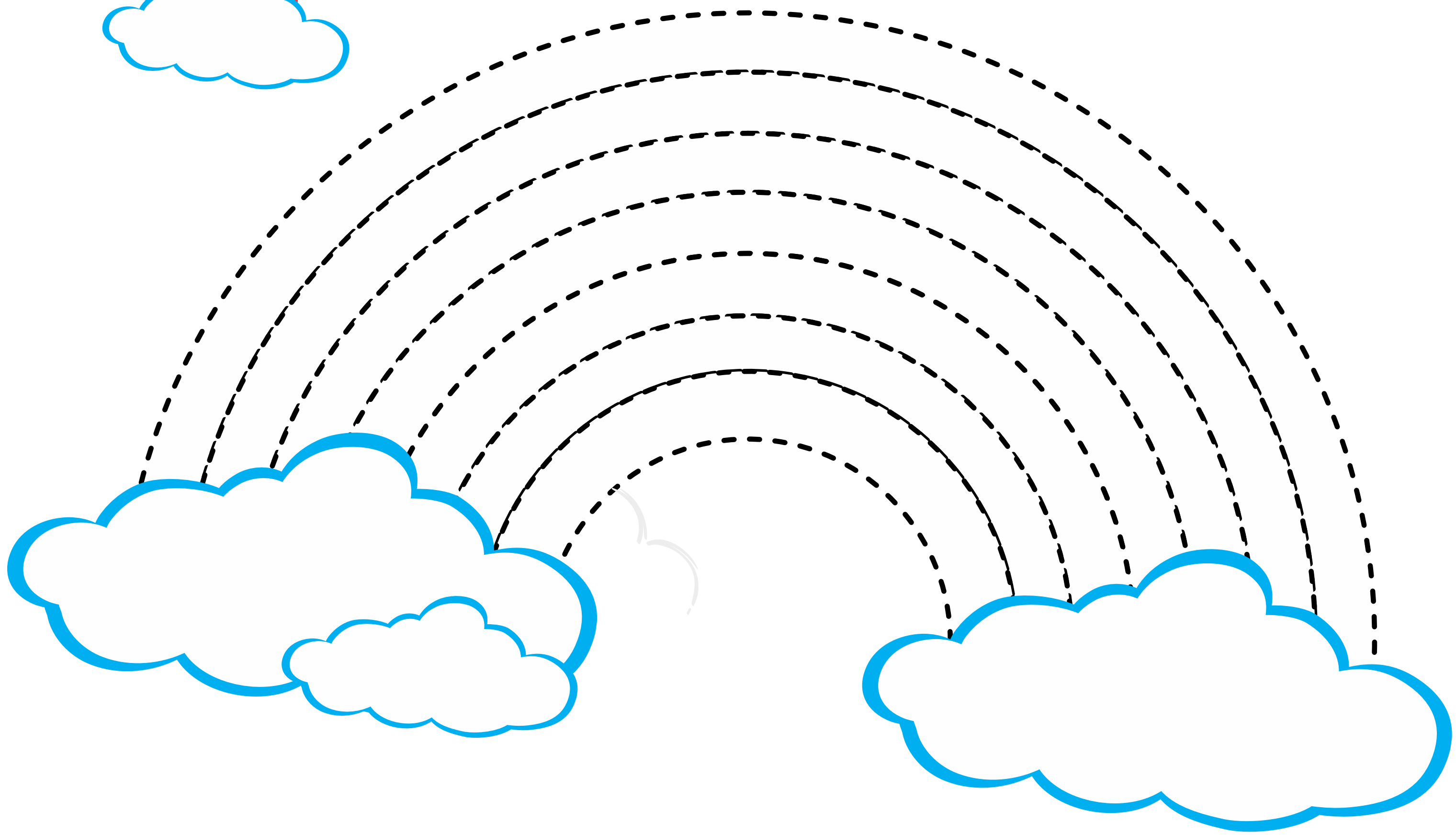

अभ्यास-7
पेंसिल रेखांकन

दी गयी आकृति के अनुसार आभासीय आकृति में पेंसिल से गोलाकार या आड़ी-तिरछी रेखाएं बनवाएं।

L7F3L9

अभ्यास-7
पेंसिल रेखांकन

बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार की रेखाएं खिंचवाकर आकारों का निर्माण कराना व बच्चों में सृजनात्मकता विकसित कराना।

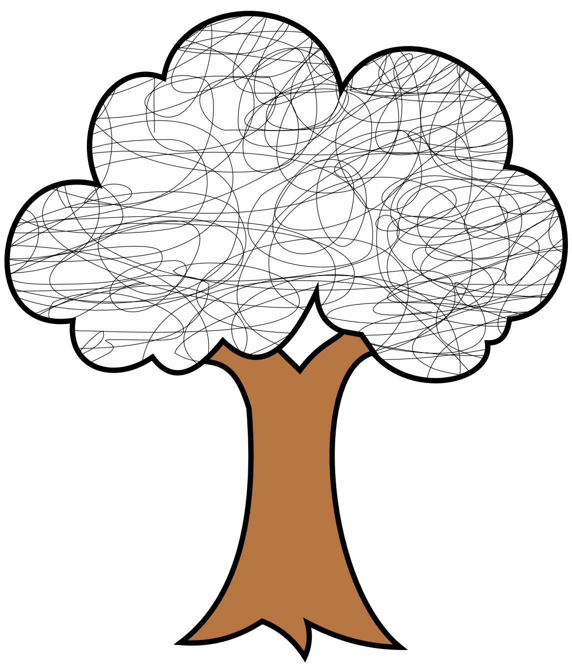

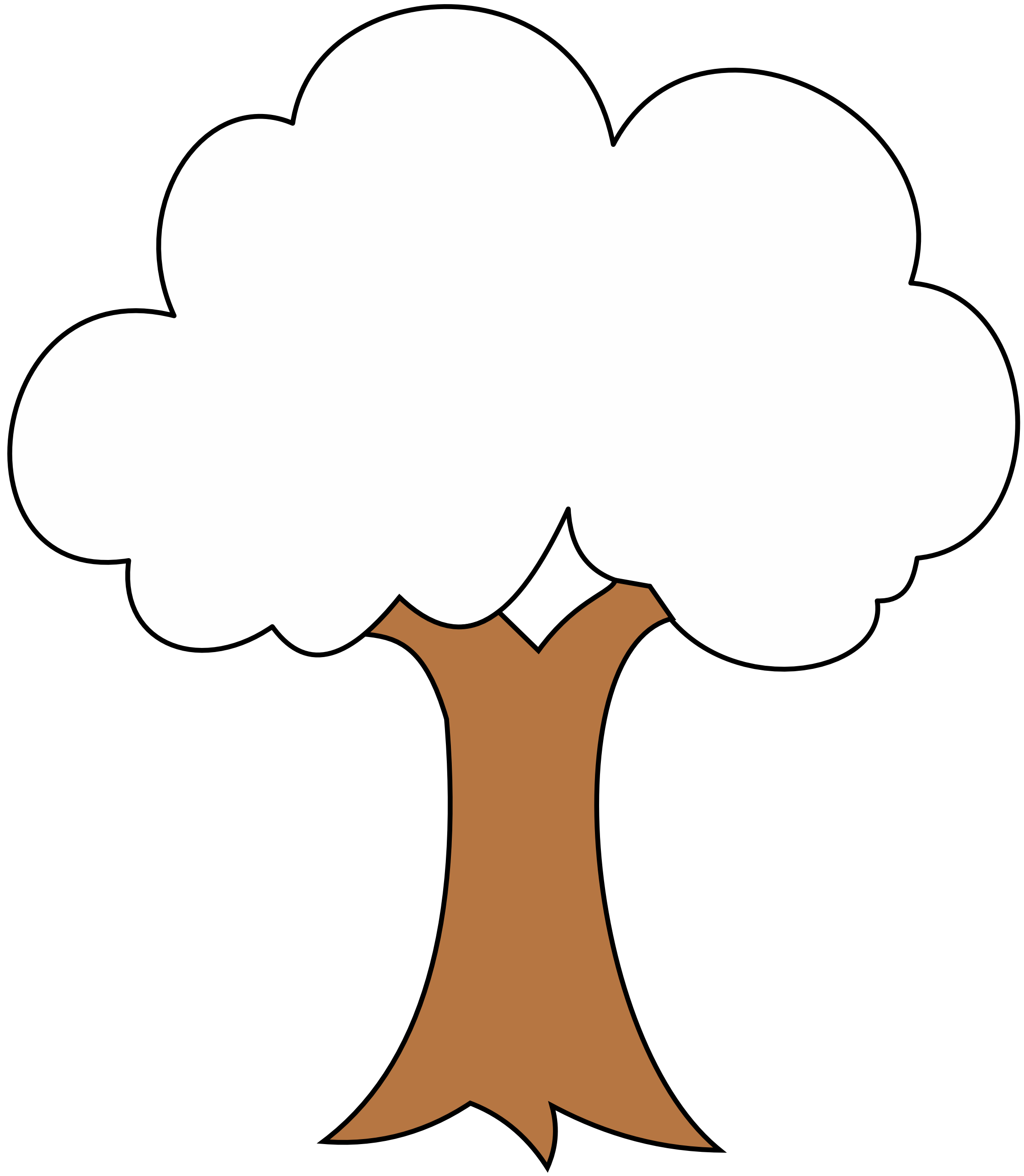

अभ्यास-7
पेंसिल रेखांकन

बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार की रेखाएं खिंचवाकर आकारों का निर्माण कराना व बच्चों में सृजनात्मकता विकसित कराना।

अभ्यास-8
रंग प्रसार विधि

पेज को दाएं से बाएं की तरफ मोड़लें। मोड़ने वाले स्थान पर आवश्यकतानुसार गाढ़ा रंग रखवाएं। पेज को बन्द करके हल्के हाथ से दबाएं ।

अभ्यास-8

रंग प्रसार विधि

बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के रंगों के मिश्रण से किसी आकार का सृजन करवाना एवं उनमें रंगों के ज्ञान को विकसित कराना।

अभ्यास-9
हस्त छापाकृति

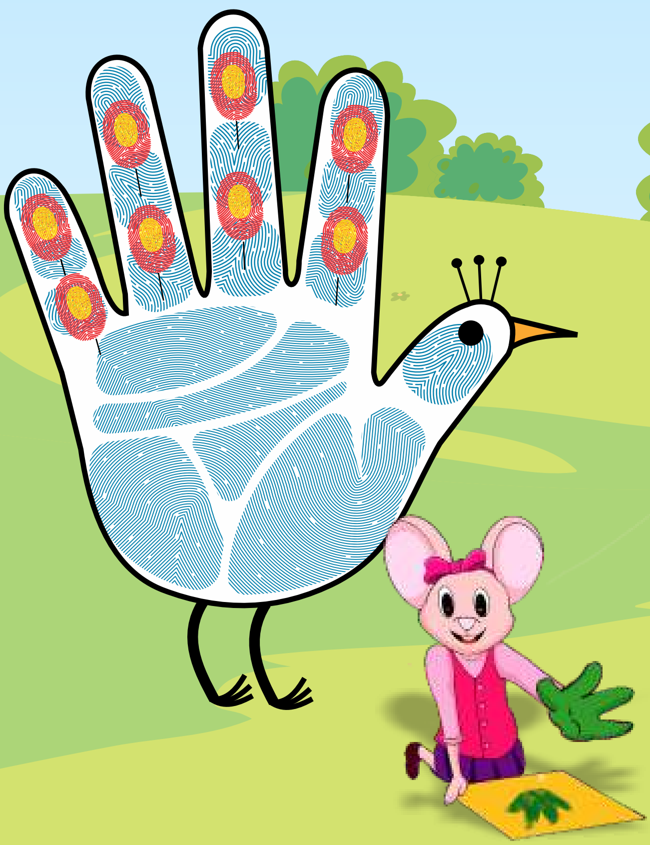

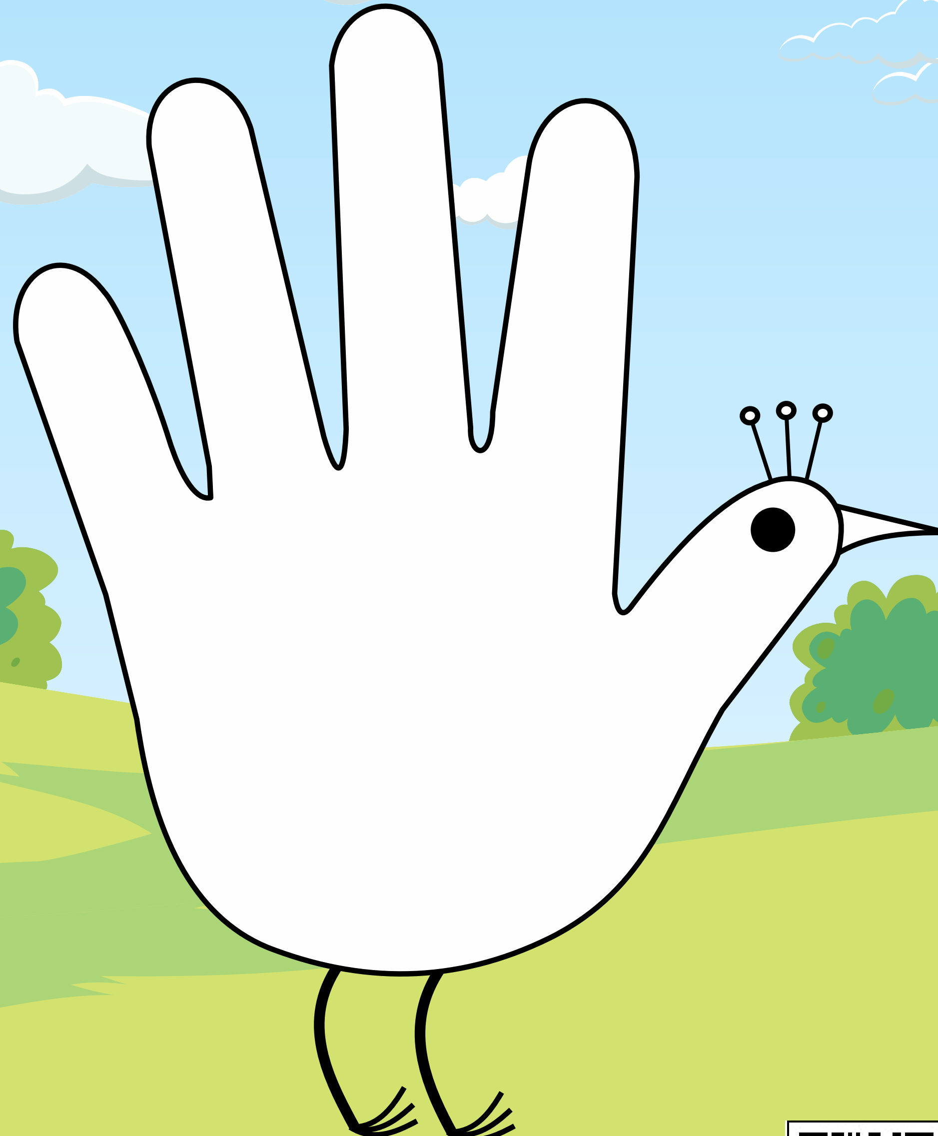

बाएं हाँथ की हथेली पर नीला रंग लगवाएं। पेज पर दिए गये स्थान पर हथेली की छाप लगवाएं। उंगली पर लाल व पीला रंग लगवा कर बिंदी की छाप लगवाएं।

बच्चों में हाथ की छाप द्वारा बनी आकृति की संरचना की समझ विकसित कराना।

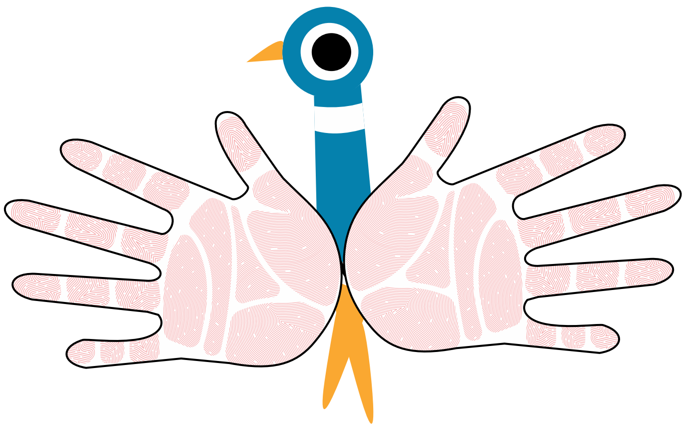

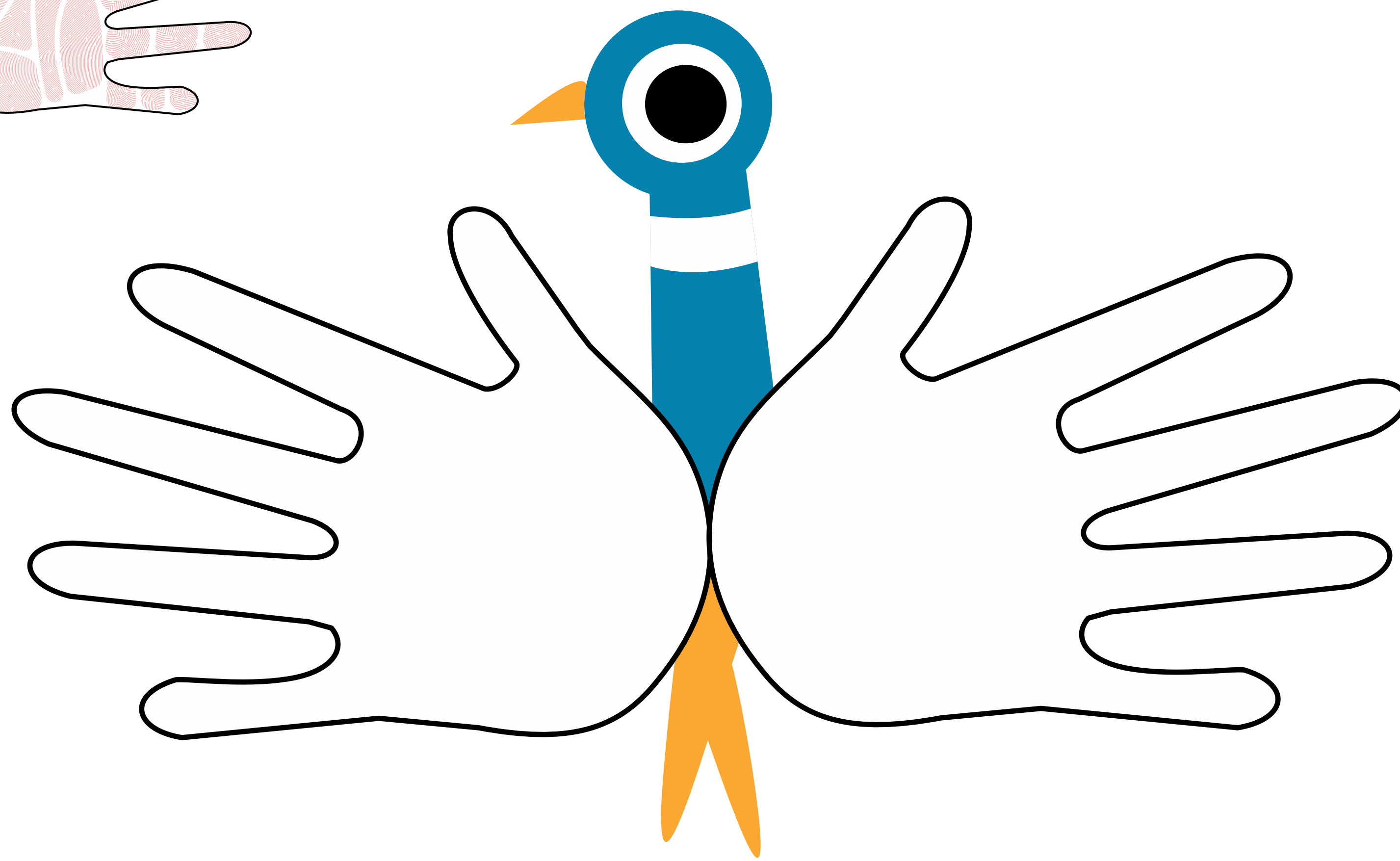

अभ्यास-10
पत्ती छापाकृति

पत्ती पर आवश्यकतानुसार गाढ़ा पोस्टर रंग लगवाएं। पत्ती को पेज पर रख कर छाप लगवाएं। छाप लगवाकर पत्ती को हटा लें।

A7Y1D7

अभ्यास–10

पत्ती छापाकृति

बच्चों में अपने आस–पास के पेड़–पौधों के ज्ञान को विकसित करना व बच्चों में रंगों के संयोजन की समझ विकसित कराना।

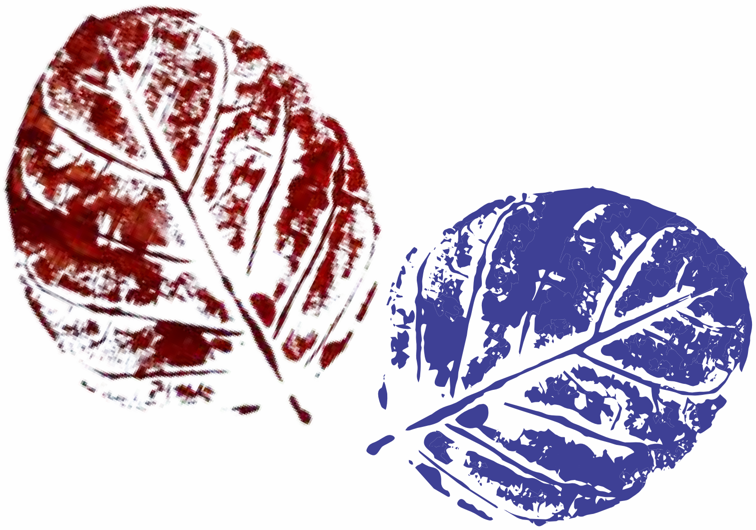

अभ्यास-11

अंगूठा छापाकृति

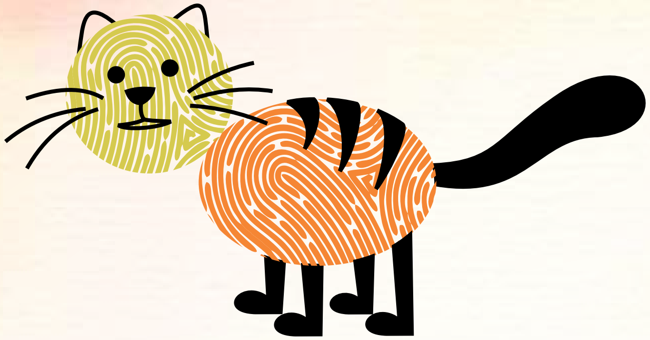

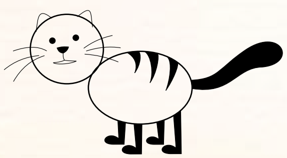

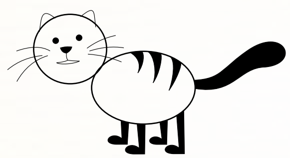

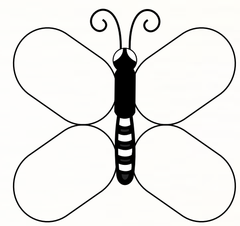

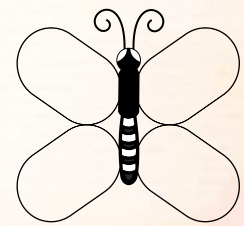

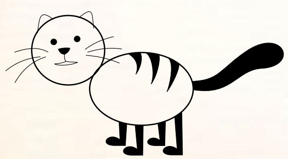

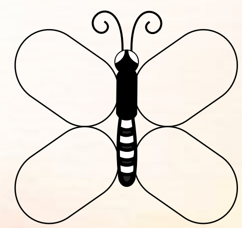

पोस्टर रंग को अंगूठे पर लगवाएं। पेज पर दी हुई अंगूठे की आभासीय आकृति पर अंगूठे की छाप लगवाएं।

अभ्यास-11
अंगूठा छापाकृति

बच्चों में अंगूठा व उंगलियों द्वारा आकृति बनाने की क्षमता विकसित करना।

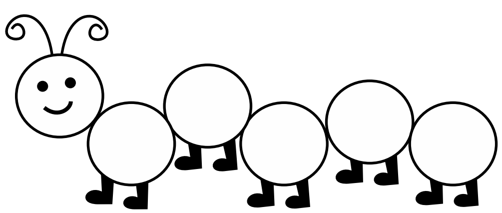

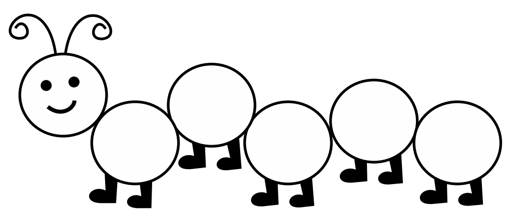

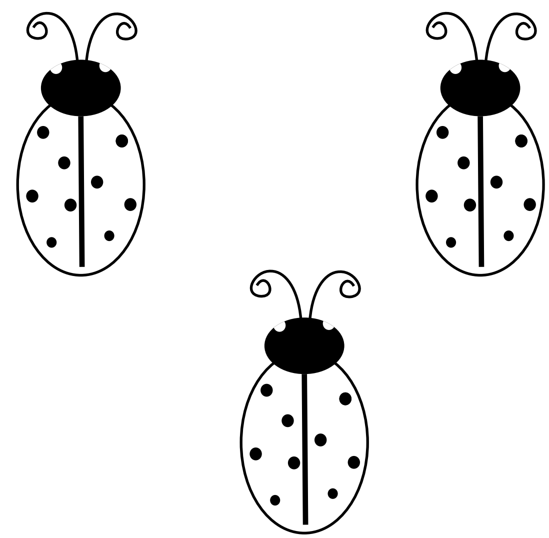

अभ्यास-12
सुतली से आकार बनाना

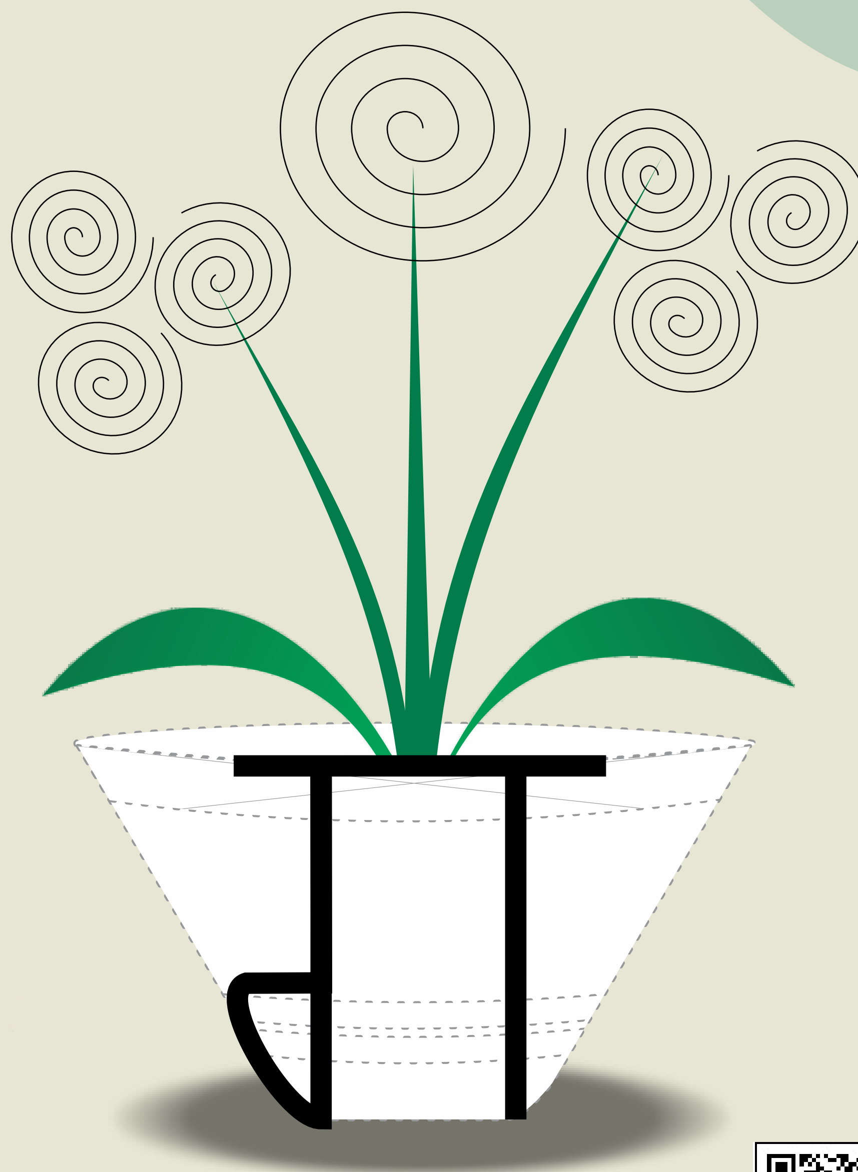

गमले को रंग कर पुरानी ऊन व सुतली को तोड़ लें।
दी गयी आकृति के अनुरूप गोंद लगे स्थान पर गोलाकार पुष्प बनायें।

अभ्यास–12

सुतली से आकार बनाना

बच्चों में आस–पास के परिवेश में उपलब्ध सामग्री से सृजनात्मकता विकसित कराना।

अभ्यास–12

सुतली से आकार बनाना

बच्चों में आस–पास के परिवेश में उपलब्ध सामग्री से सृजनात्मकता विकसित कराना।

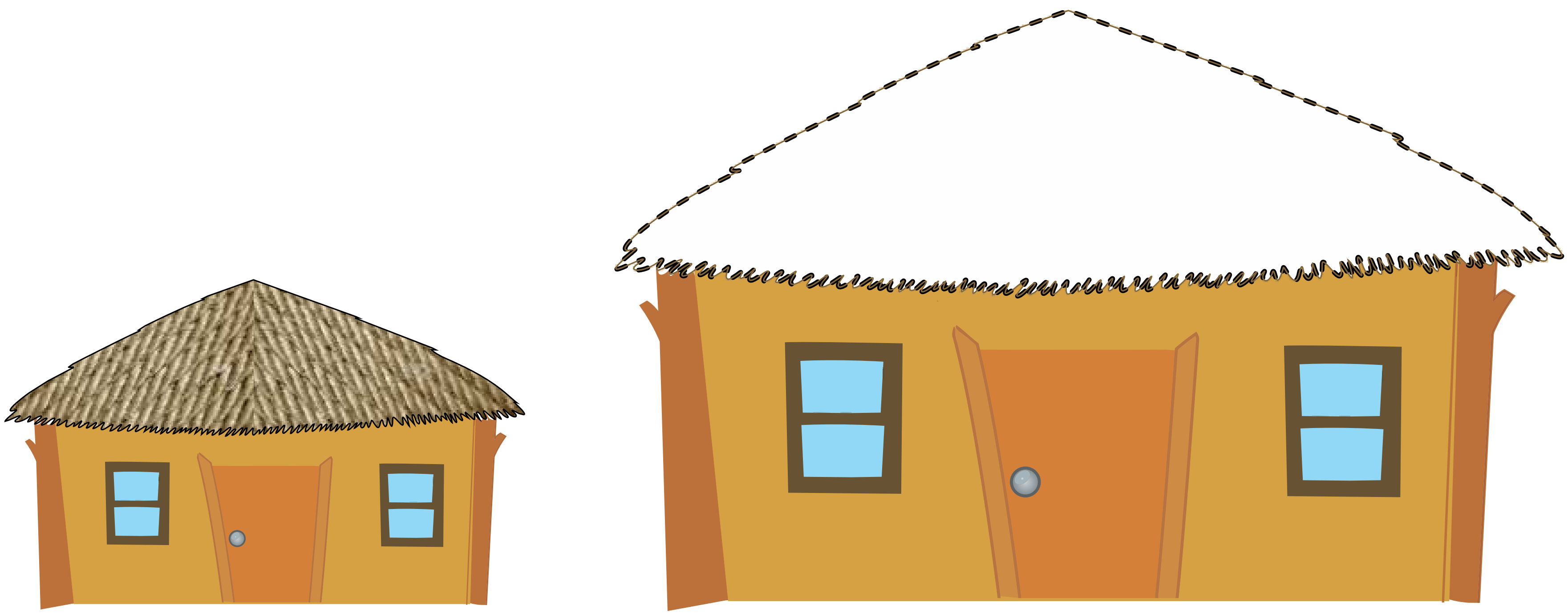

अभ्यास-13

कागज कोलाज चित्रण

रंगीन कागज को हाथ की सहायता से छोटा-छोटा फाड़ लें। दिए गए चित्र के समरूप आकृति में गोंद की सहायता से कतरनों को चिपकायें।

D2N7Q6

अभ्यास-13

कागज कोलाज चित्रण

बच्चों को कागज की कतरनों द्वारा
आकार देने की कला को विकसित करना।

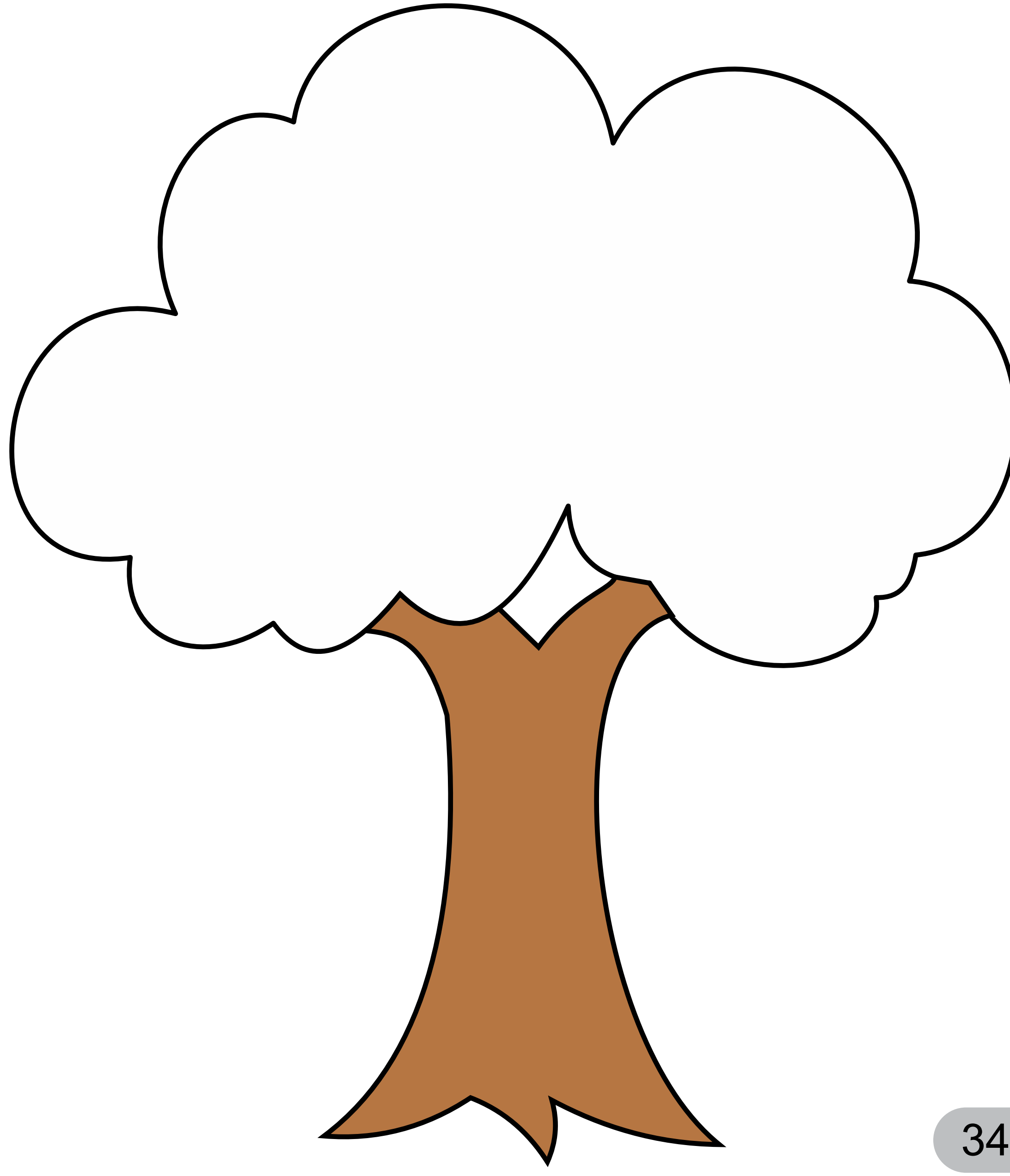

अभ्यास-14
अक्षराकृति

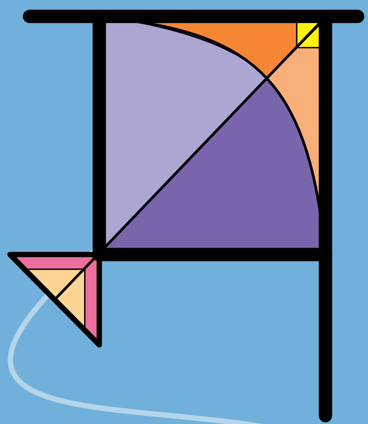

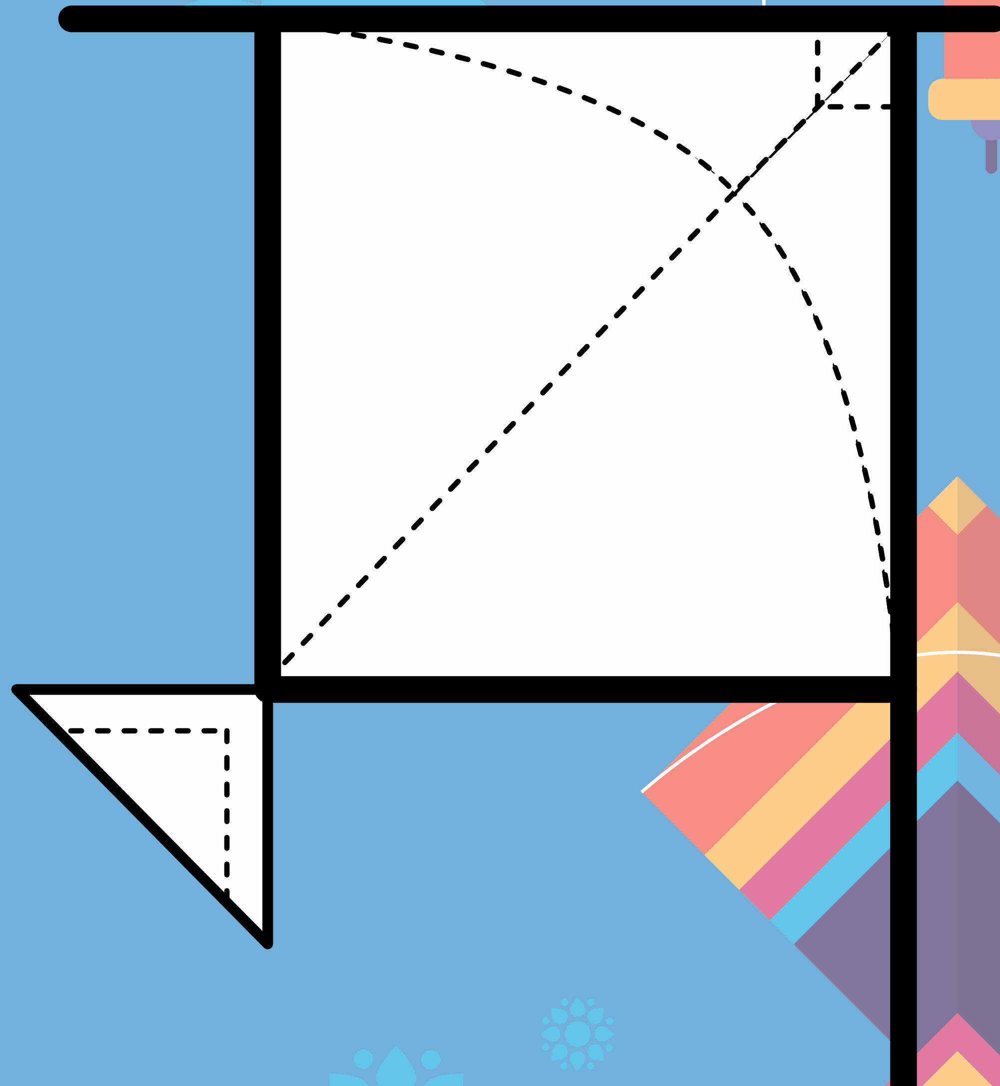

आभासीय आकृति में अंकित बिंदुओं को रेखा द्वारा जोड़े।
चित्र के अनुरूप आभासीय आकृति में रंग भरें।

अभ्यास-14
अक्षराकृति

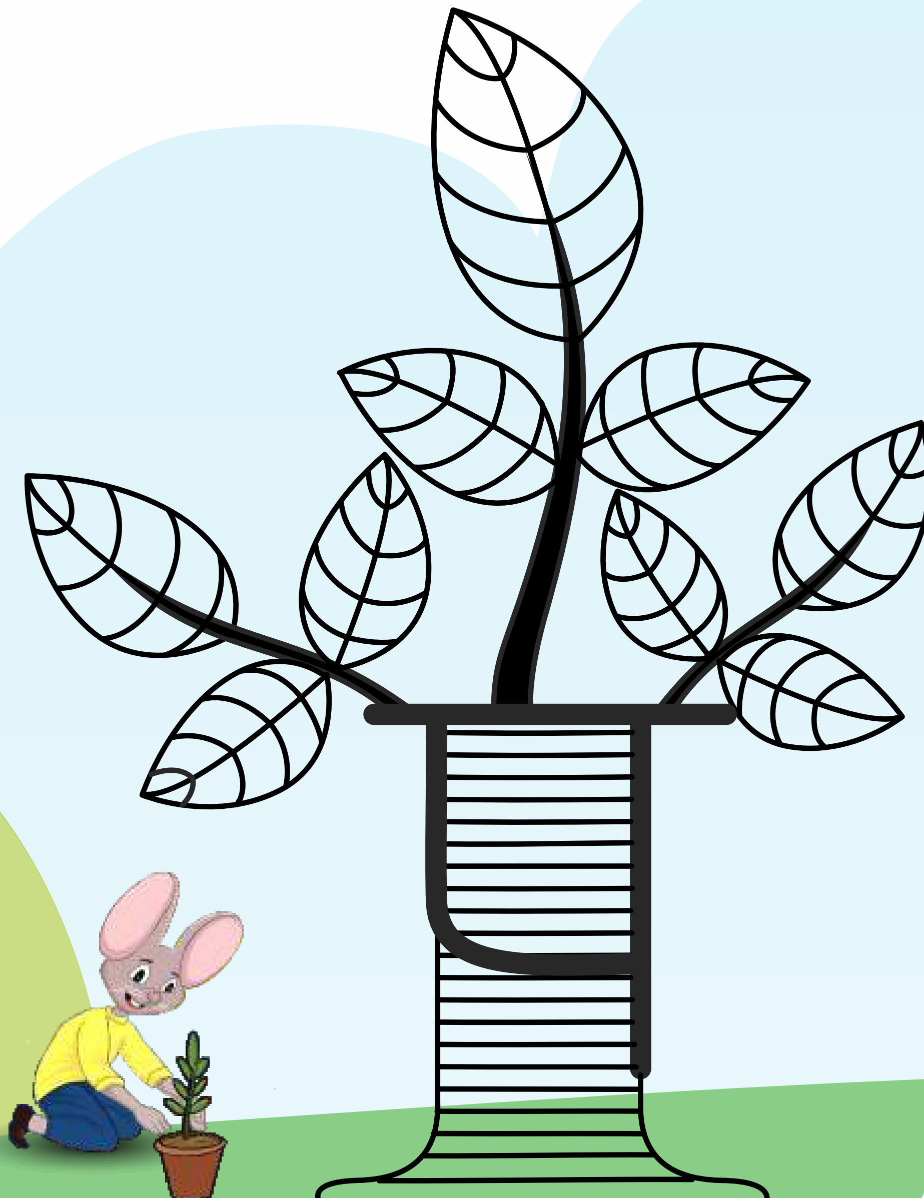

आभासीय आकृति में अंकित बिन्दुओं को रेखा द्वारा जोड़े।
चित्र के अनुरूप आभासीय आकृति में रंग भरें।

C8N1U4

अभ्यास-14
अक्षराकृति

बच्चों में रेखाओं द्वारा आकृति का विकास
करने की समझ विकसित करना।

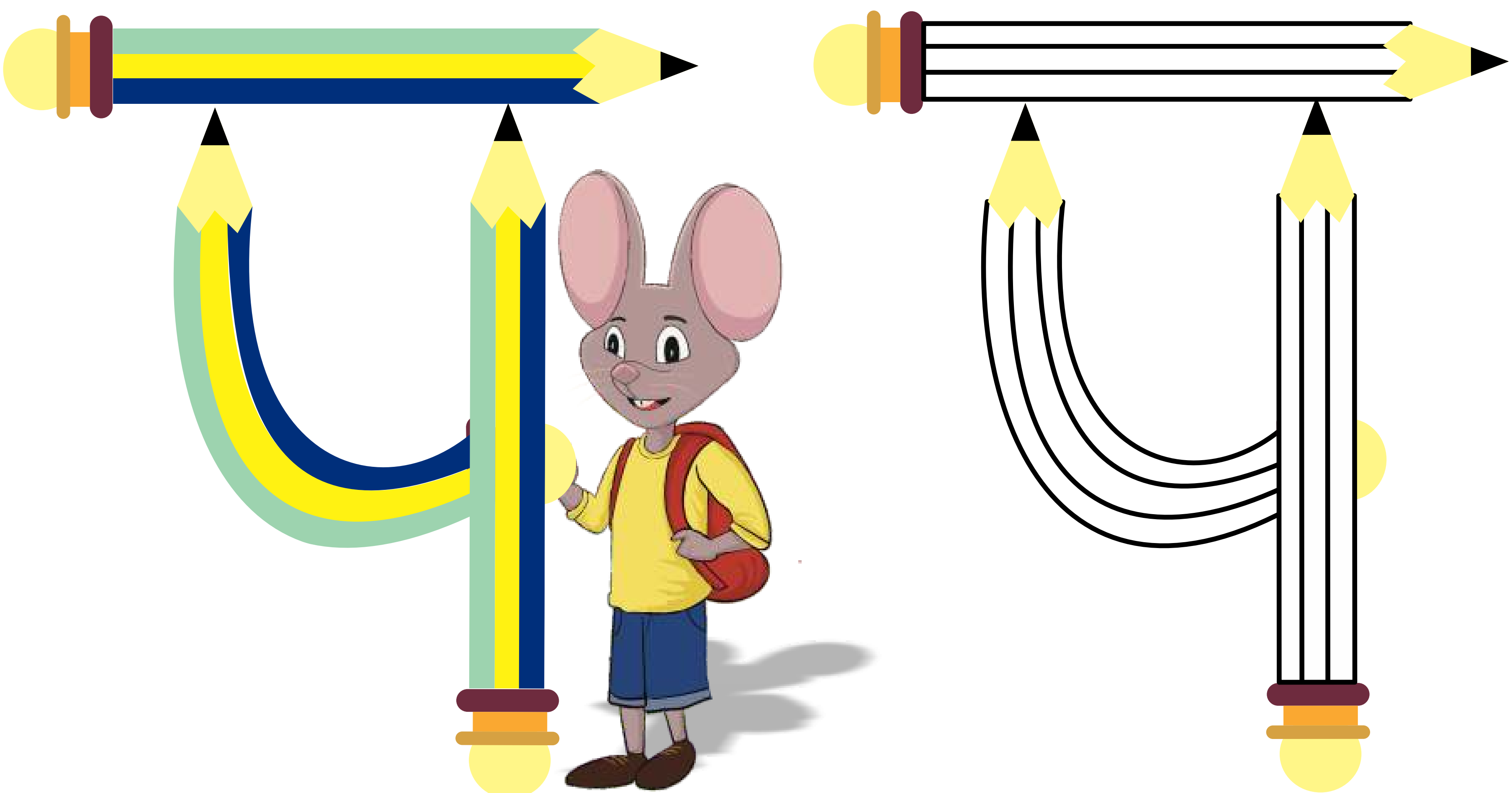

अभ्यास-15
प्रतिबिम्ब आकृति

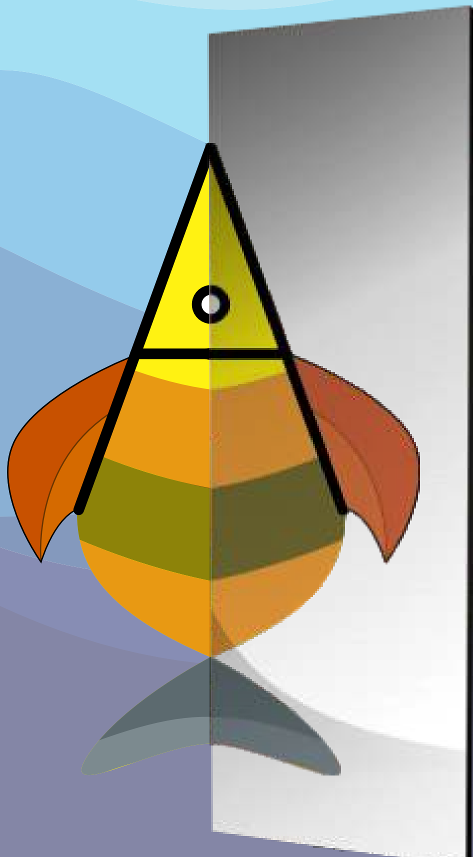

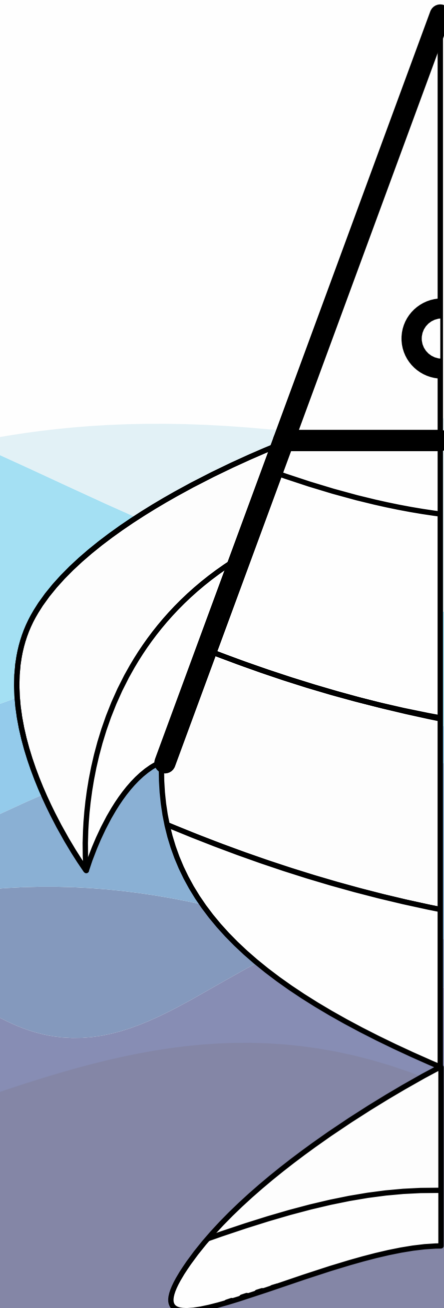

आभासीय रेखाओं को पेंसिल की सहायता से दिए गये चित्र के अनुरूप आभासीय आकृति में रंग भरें। आकृति के मध्य दर्पण रख कर प्रतिबिम्ब देखें।

B4B5P3

अभ्यास-15
प्रतिबिम्ब आकृति

बच्चों में सममित आकृतिओं की समझ का विकास करना।

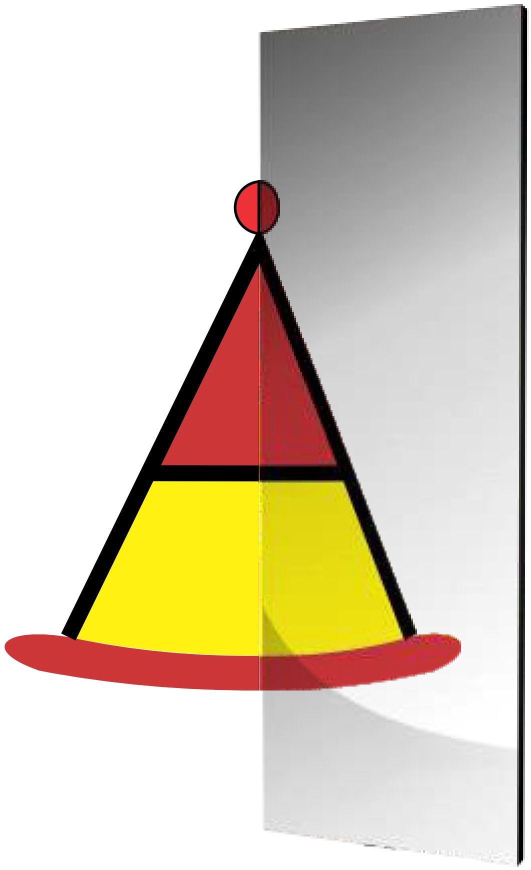

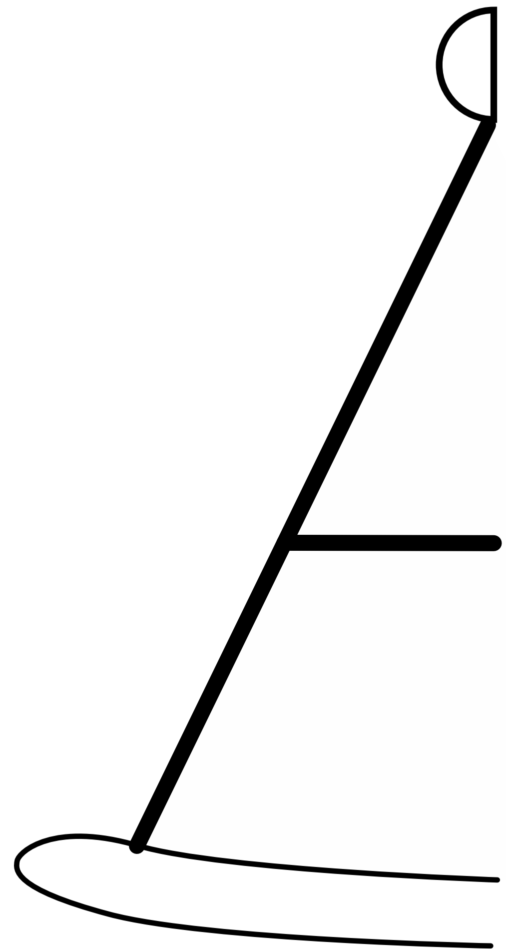

अभ्यास-16
बिंदु-चित्रण

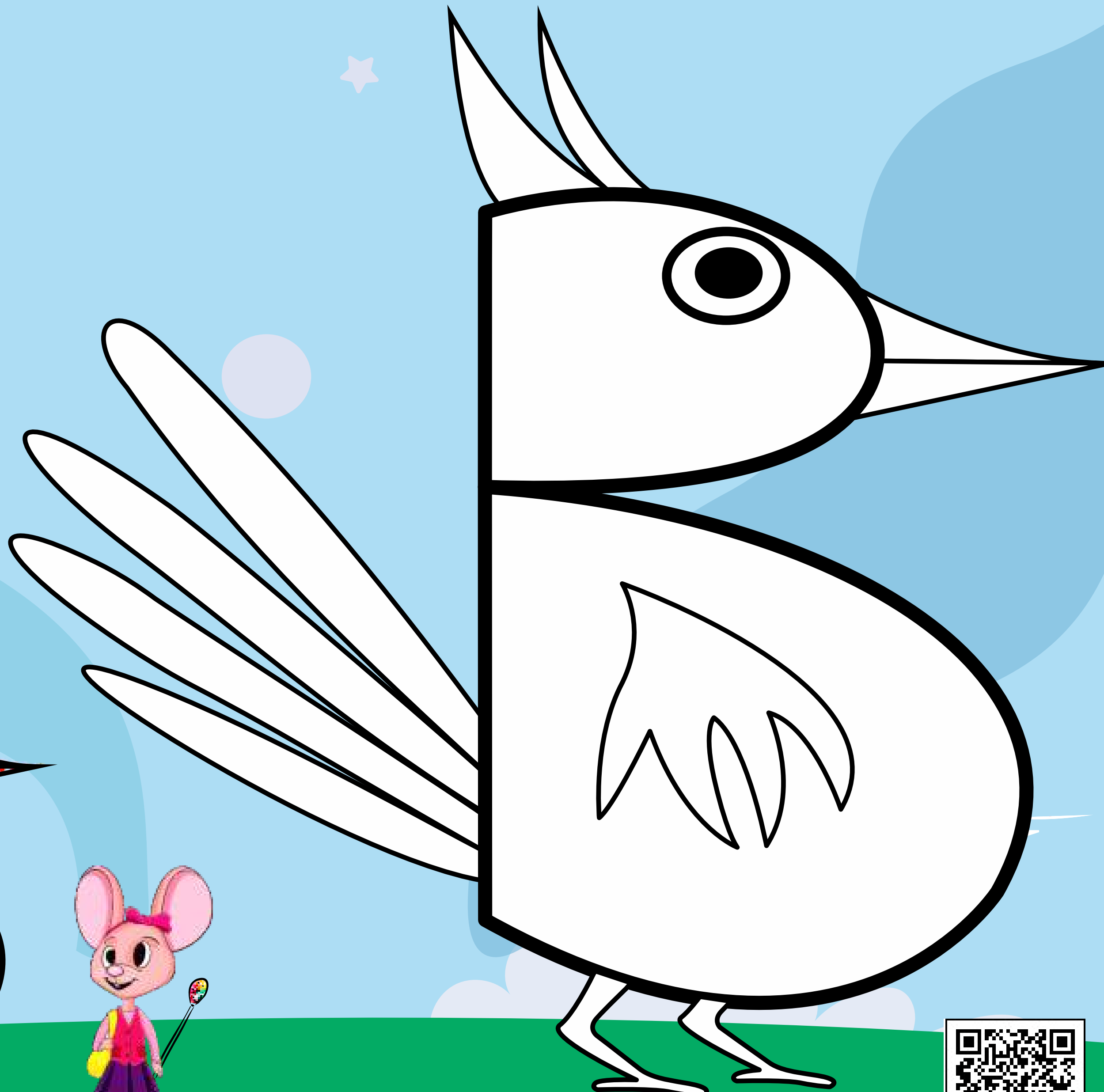

माचिस की तीली के सिरे पर रुई लपेटे। दी गयी आकृति के अनुरूप विभिन्न रंगों के अनुसार रुई लपेटी हुई तीलिओं से बिन्दुओं का रंगाकन पूर्ण करें।

Q8U4J3

अभ्यास-16
बिंदु-चित्रण

बच्चों में रंगीन बिंदुओं द्वारा उत्पन्न प्रभाव को समझाना व बच्चों में प्रयोगात्मक कौशल को विकसित करना।

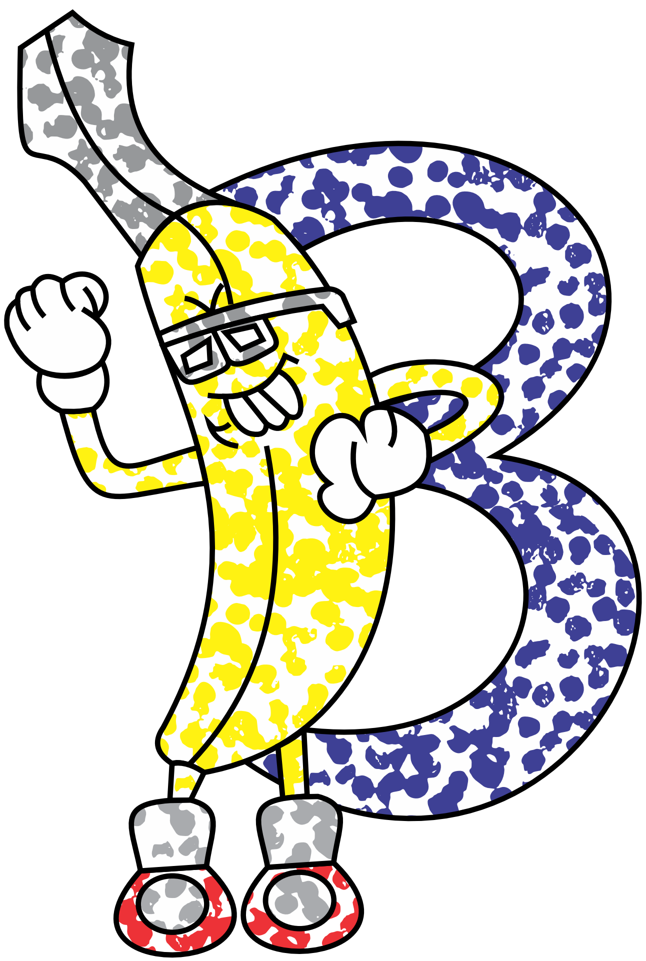

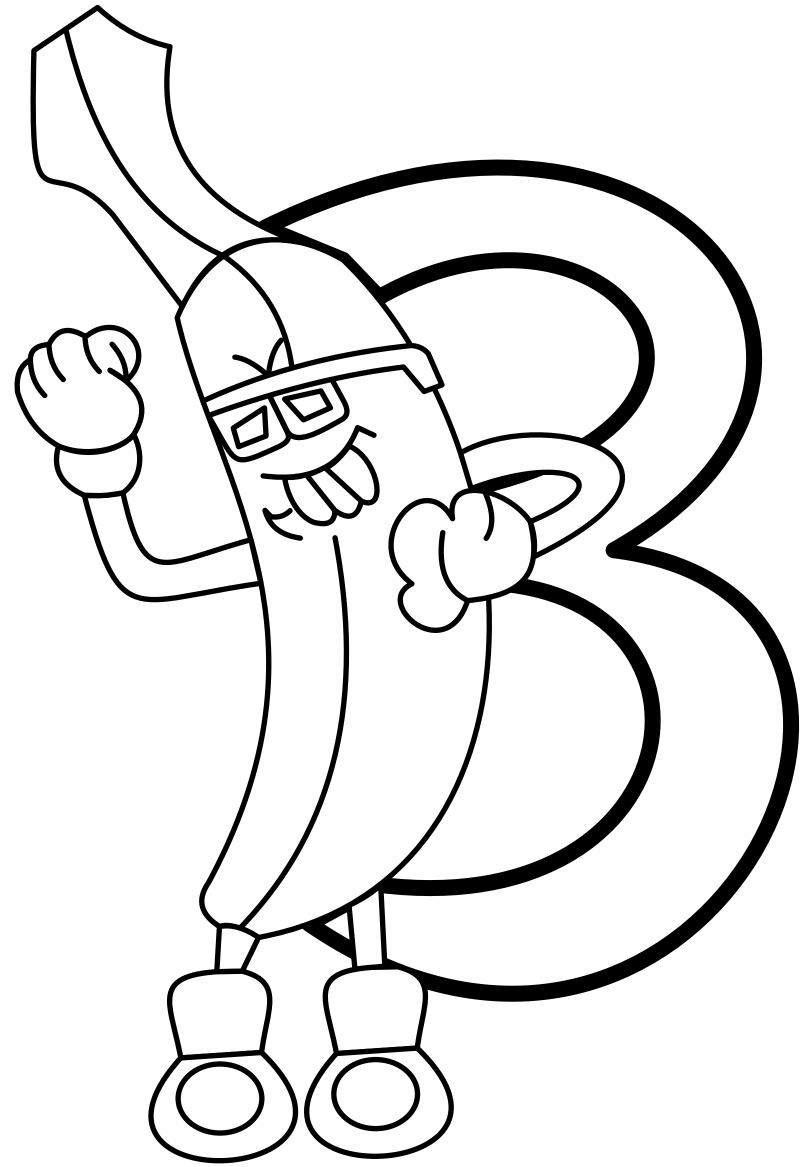

अभ्यास-17
क्षेपांकन चित्रण

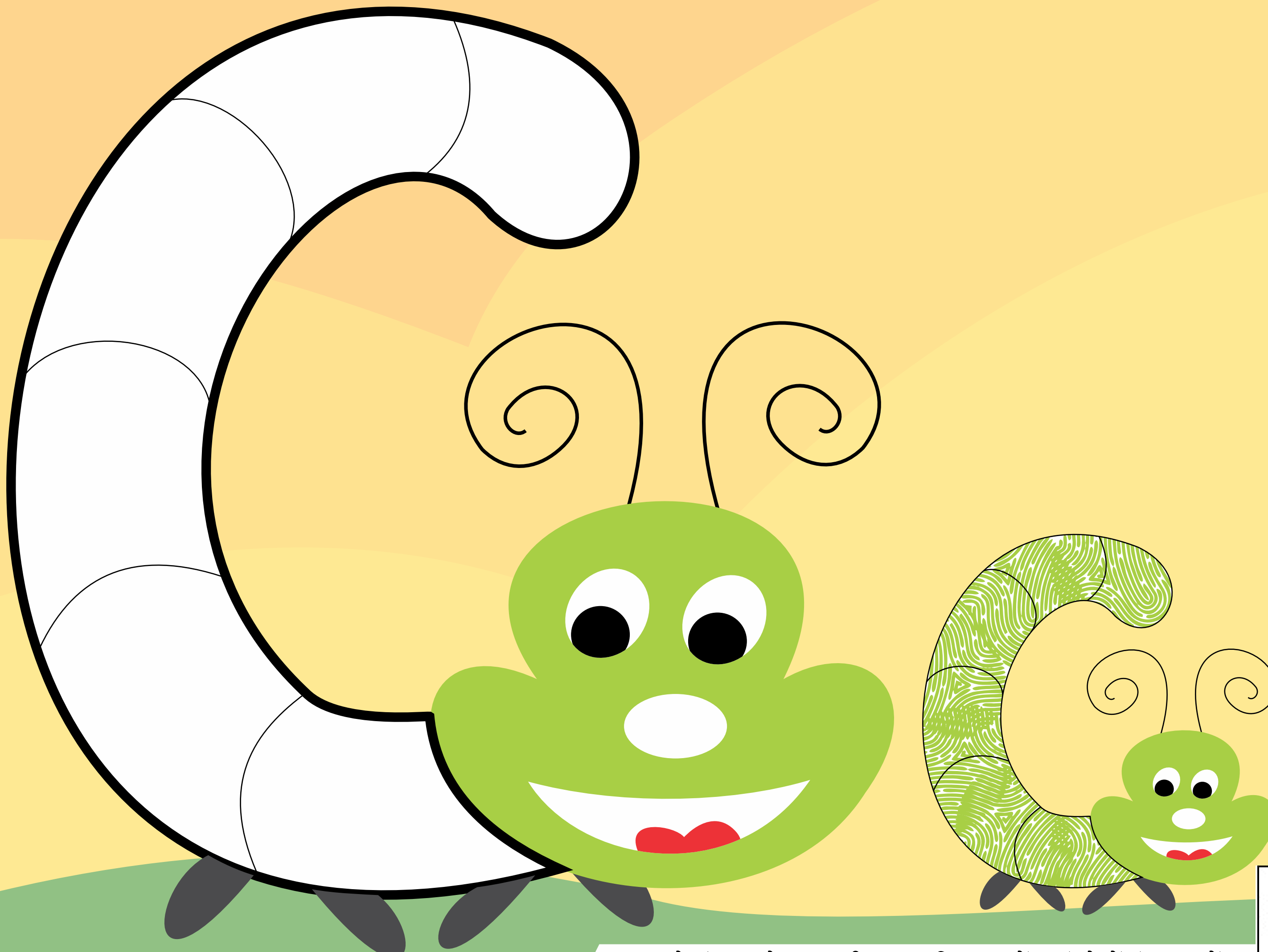

क्षेपांकन को आभासीय आकृति पर रखें। अंगूठे में रंग लगायें।
क्षेपांकन की सहायता से दी गयी आकृति के सदृश्य अंगूठे की छाप लें।

P4H8E2

अभ्यास-17
क्षेपांकन चित्रण

कट-आउट को बाहर निकालें।

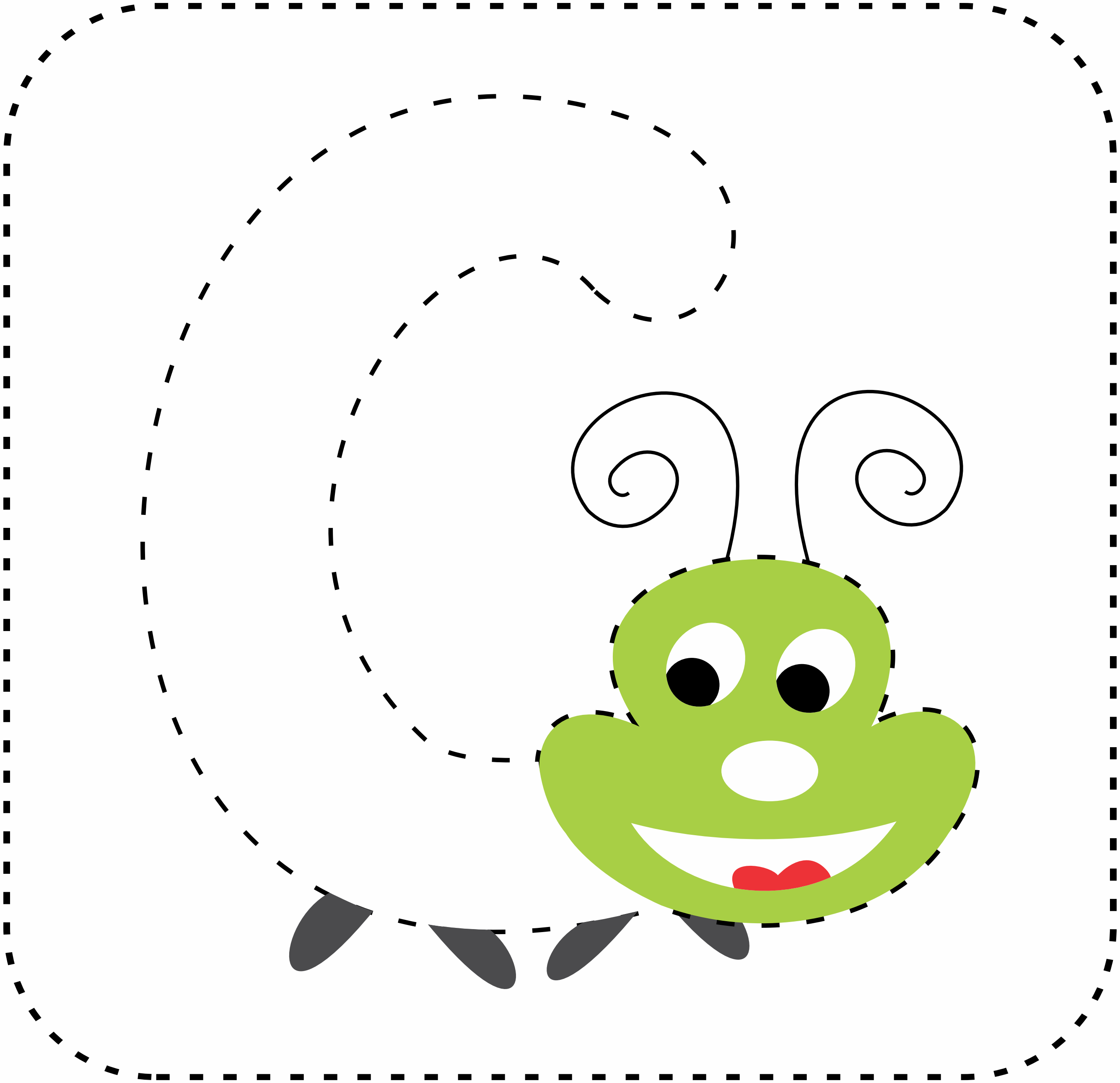

अभ्यास-17
क्षेपांकन चित्रण

बच्चों में क्षेपांकन के प्रयोग से सृजनात्मकता को विकसित करना।

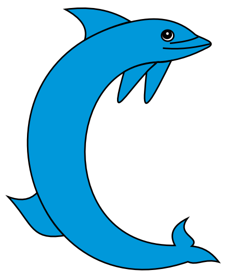

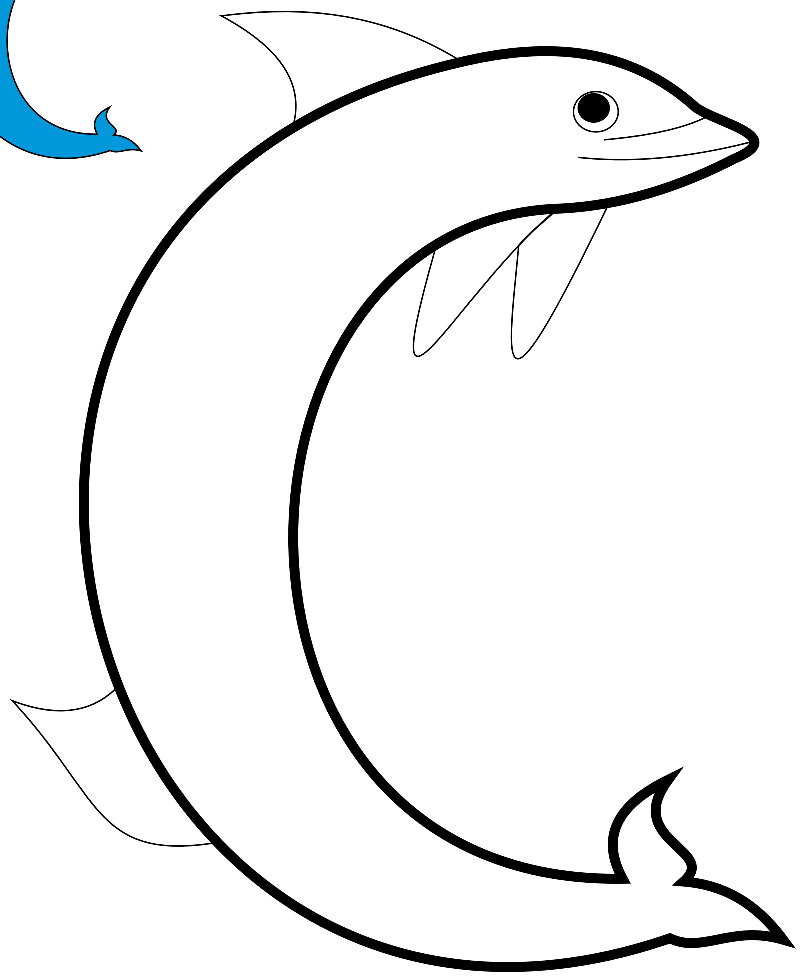

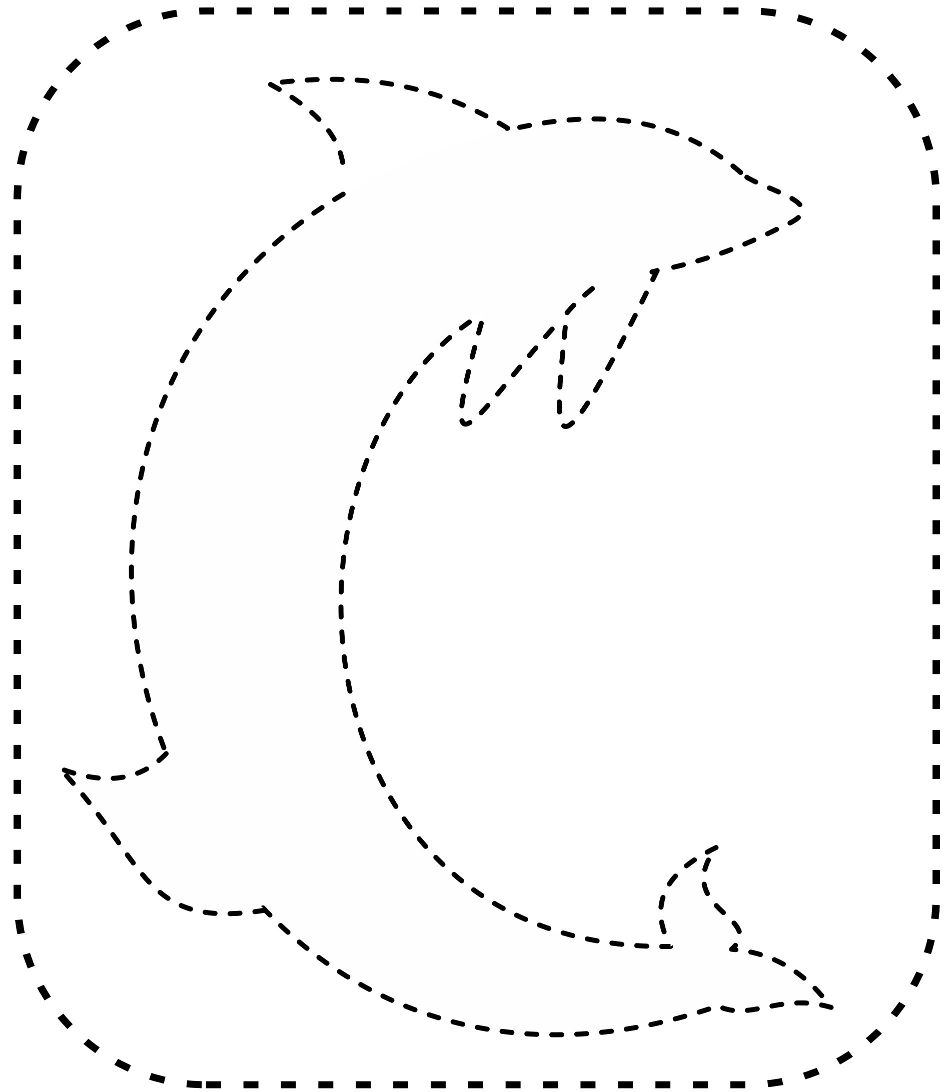

अभ्यास-17
क्षेपांकन चित्रण

बच्चों में क्षेपांकन के प्रयोग से सृजनात्मकता को विकसित करना।

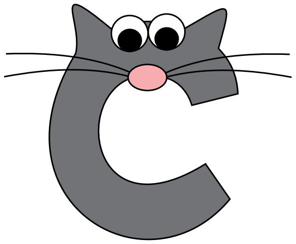

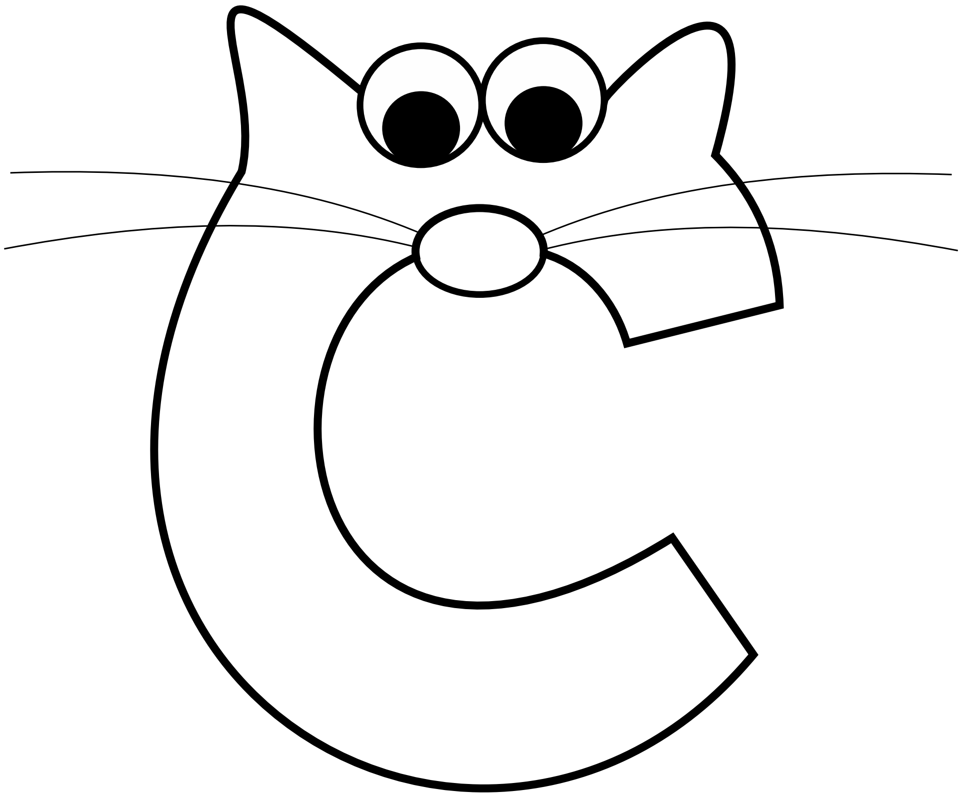

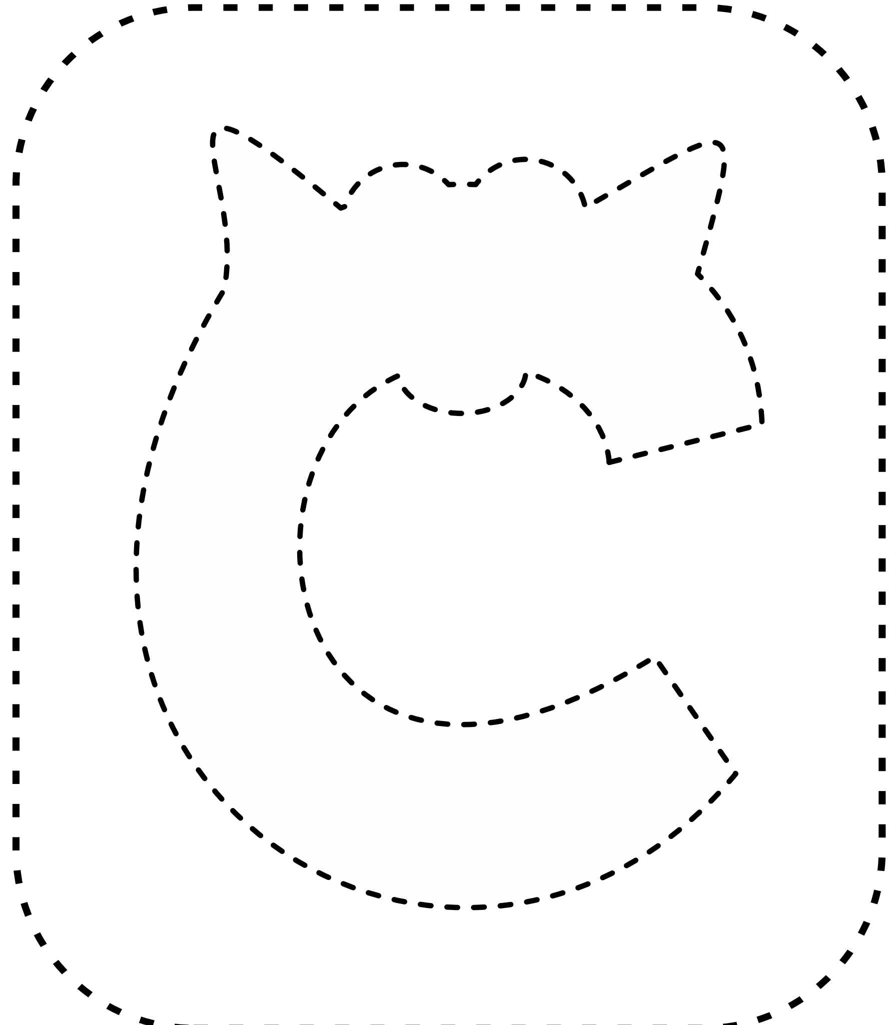

अभ्यास–18
उभरी सतह प्रणाली

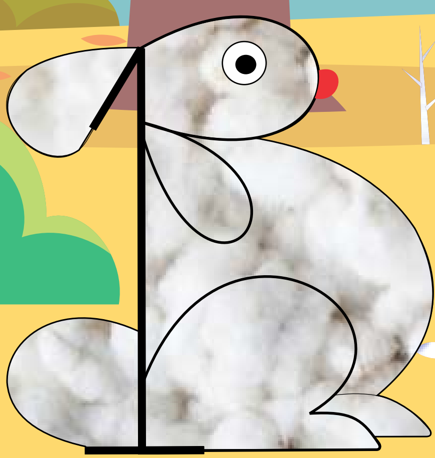

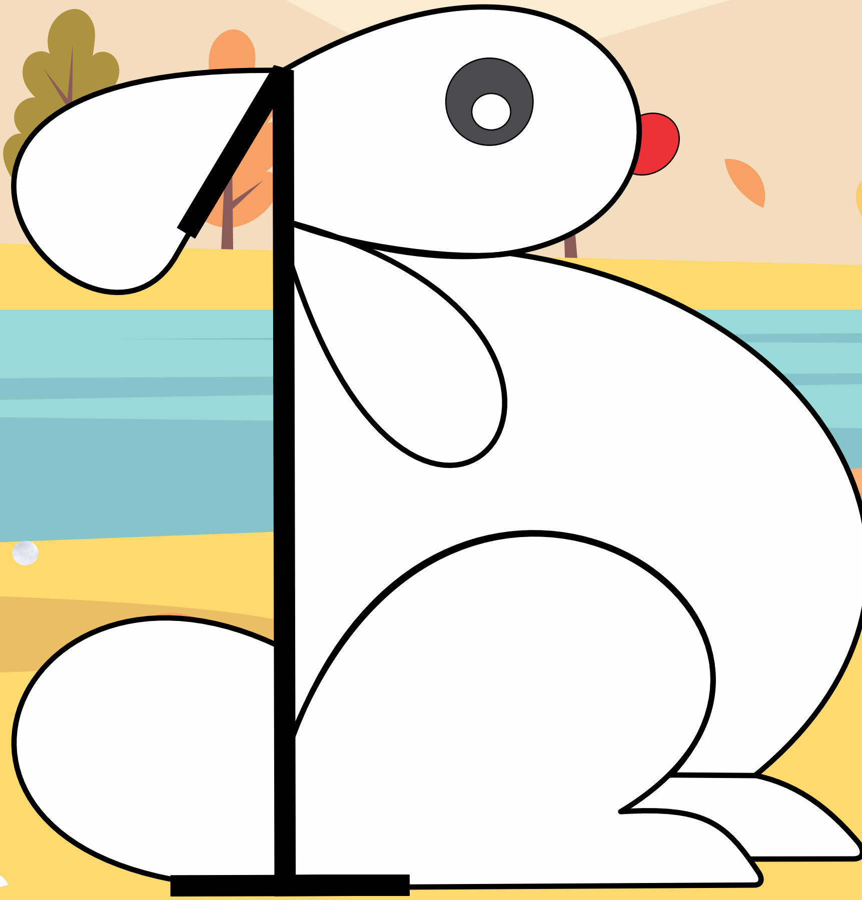

आकृति पर गोंद लगाये। गोंद लगे स्थान पर आकृति के अनुसार रुई चिपकाएं।
आकृति के बाहर निकली रुई को छांट कर निकाल दें।

अभ्यास-18
उभरी सतह प्रणाली

बच्चों को सपाट सतह से उभरी सतह प्रणाली की ओर ले जाना। जिससे बच्चों में सृजनात्मकता का विकास कराना।

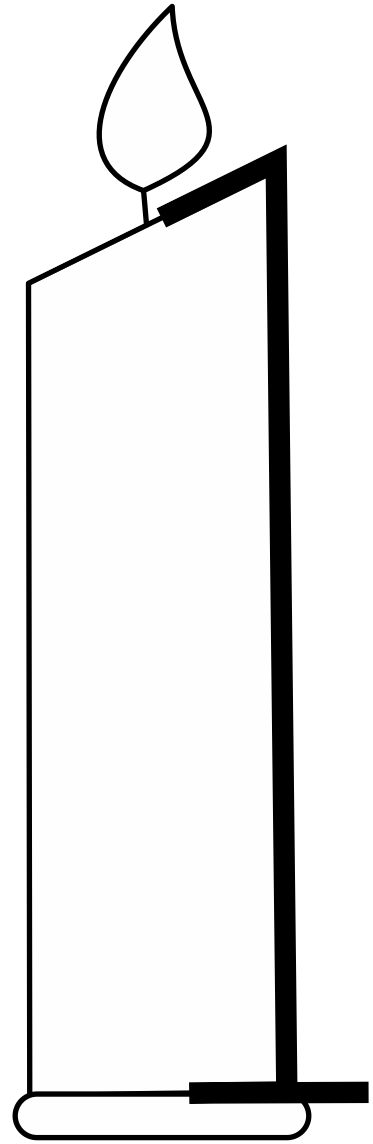

अभ्यास-19
धूलि चित्रण

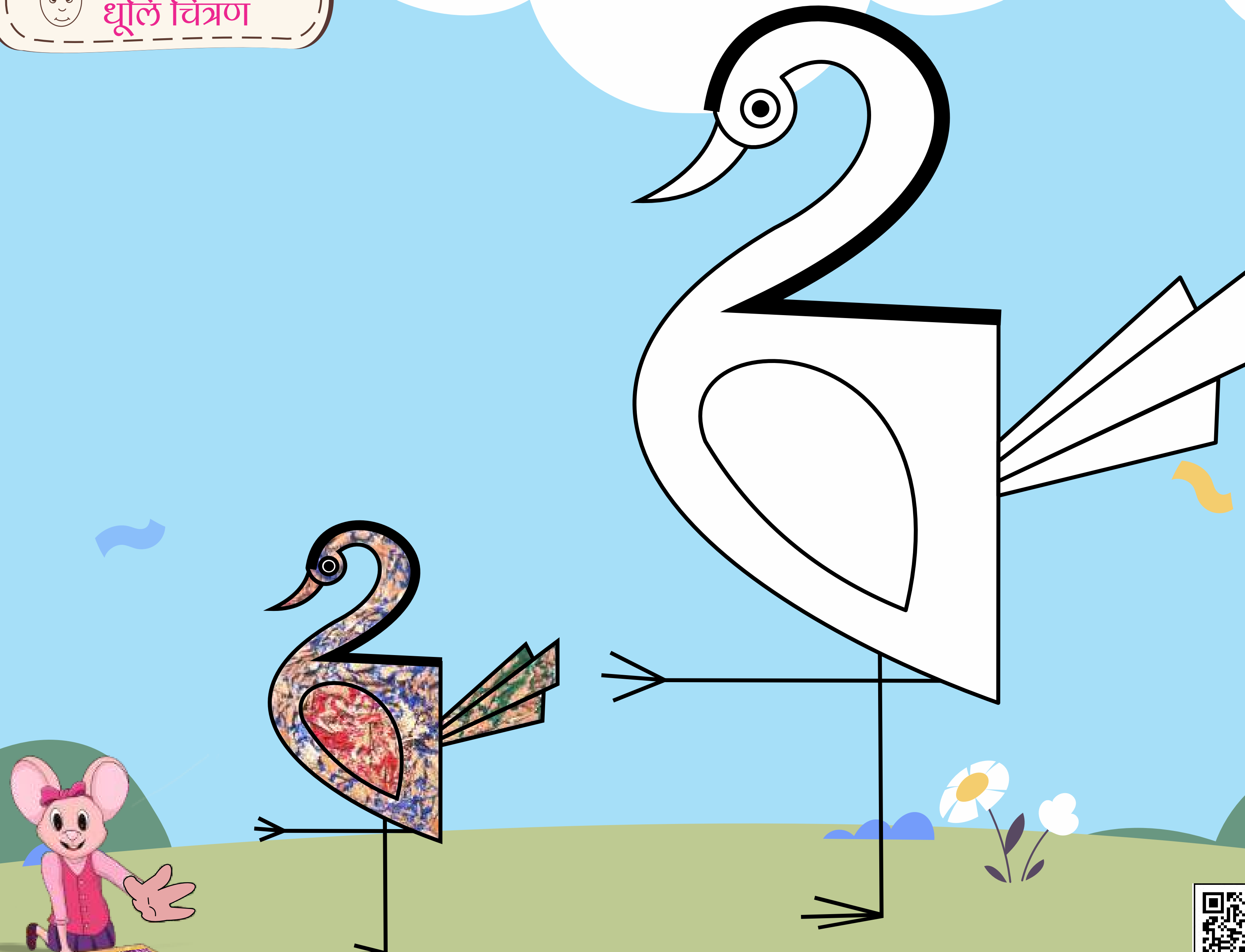

पेंसिल का छीलन निकाल कंर बारीक पीस लें। आभासीय आकृति पर गोंद लगाये। बारीक छीलन का छिड़काव करें व हल्के हाथ से दबा कर चिपकाएं।

Q5T5M8

अभ्यास–19
धूलि चित्रण

बच्चों में सीमित संसाधनों में भी कार्य करने की समझ विकसित करना।

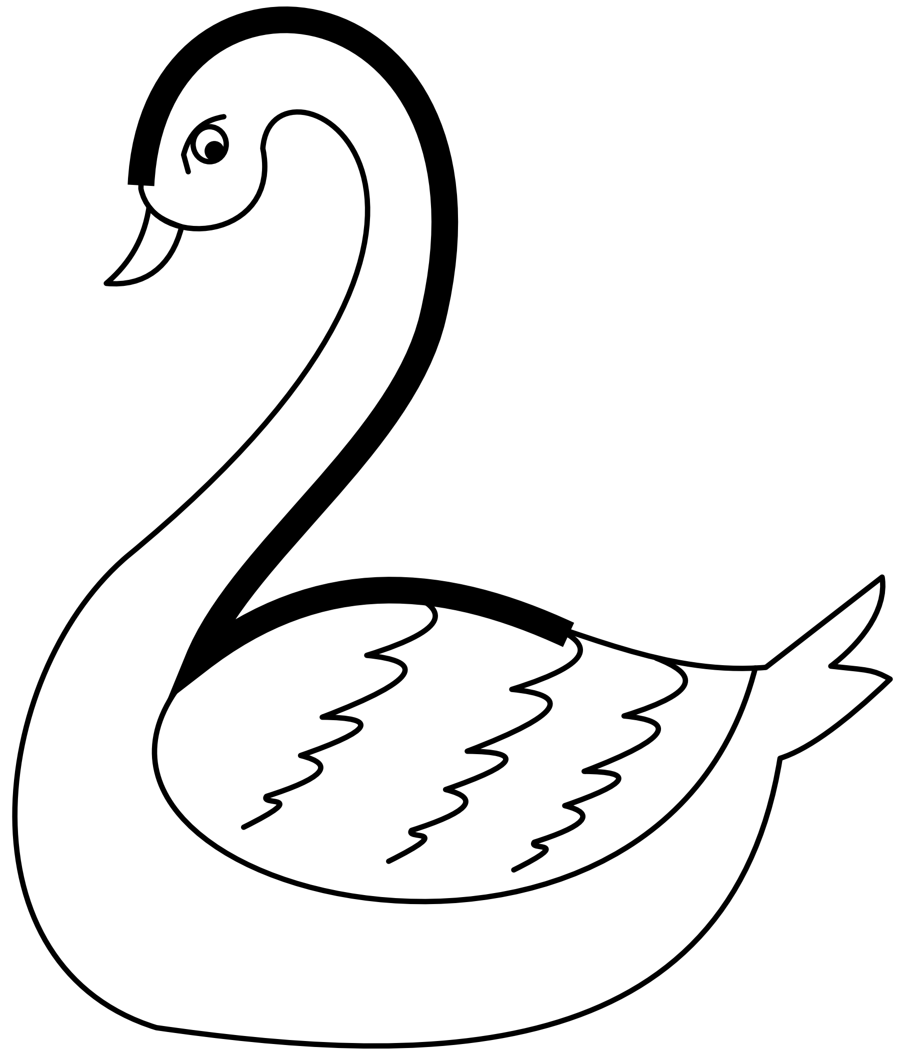

अभ्यास-20

छिड़काव चित्रण

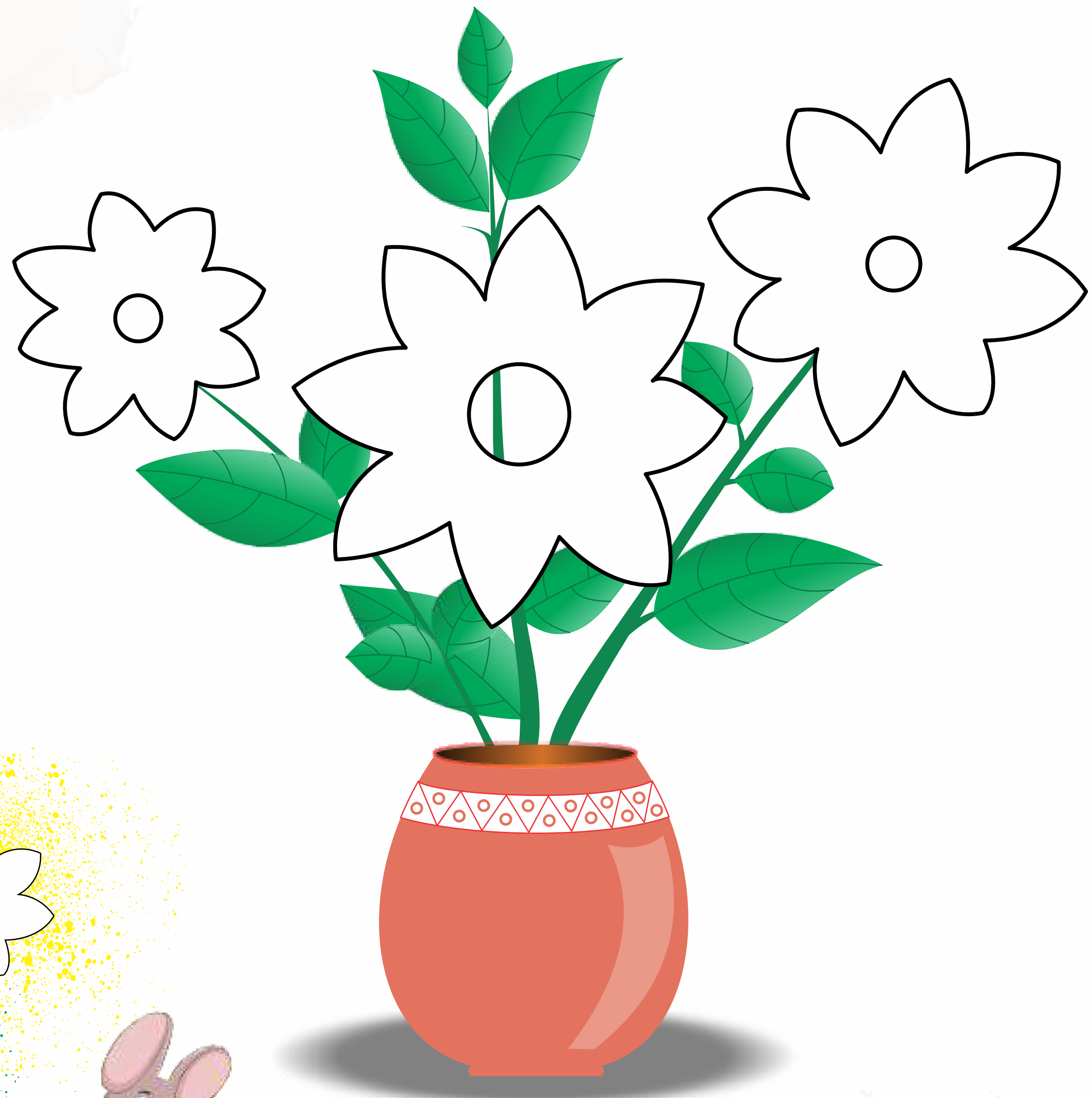

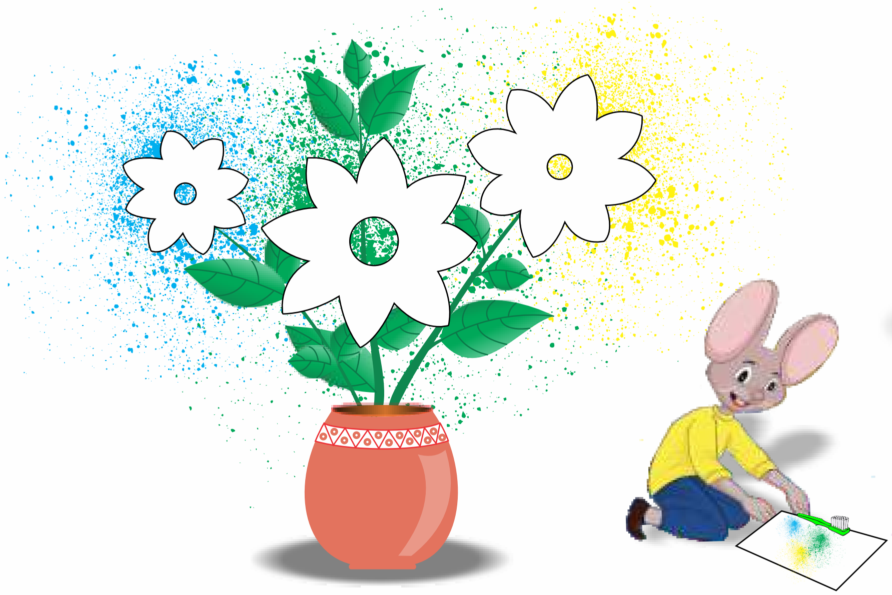

क्षेपांकन को स्थान पर रखें। टूथब्रश से उंगली की सहायता से रंगों का छिड़काव करें। क्षेपांकन को सावधानी से हटा लें।

E9D2B1

अभ्यास–20
छिड़काव चित्रण

कट–आउट को बाहर निकालें।

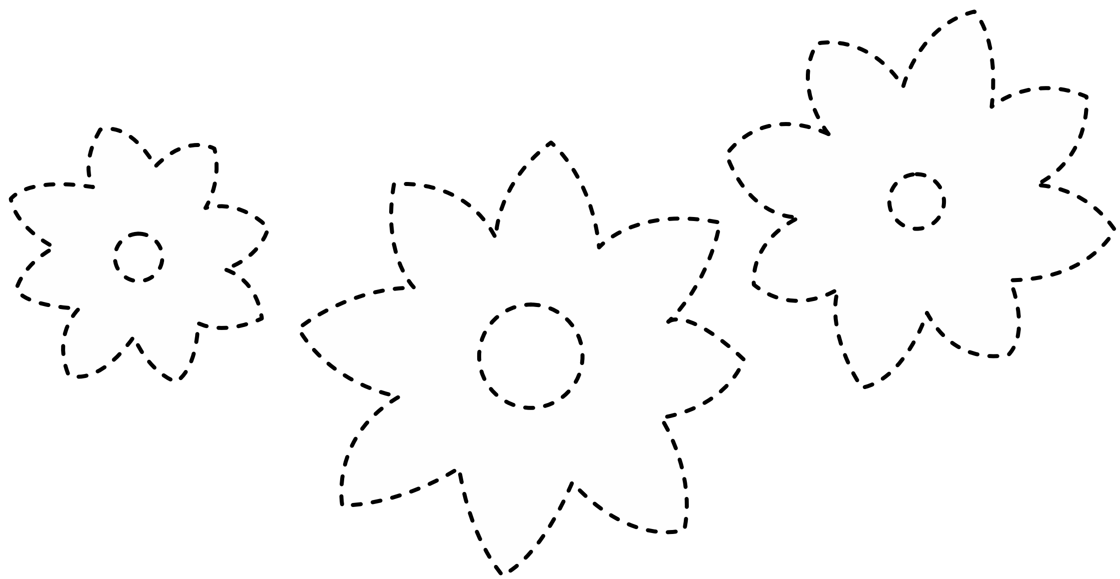

अभ्यास-20
छिड़काव चित्रण

बच्चों में प्रयोगात्मक कौशल को विकसित करना।

अभ्यास-21

मृद गढ़नशीलता

0 1 2 3 4

मिट्टी को आवश्यकतानुसार गोलियों में बाट लें।
अंकों के आभासीय रेखांकन पर मिट्टी रखकर अंकों का निर्माण करें।

U9B8Y8

अभ्यास-21

मृद गढ़नशीलता

बच्चों में त्रि-अयामी आकृतियों के माध्यम
से सृजनात्मकता का विकास करना।

0 1 2 3 4

अभ्यास-21

मृद गढ़नशीलता

मिट्टी को आवश्यकतानुसार गोलियों या बत्तियों में बाट लें।
अंकों के आभासीय रेखांकन पर मिट्टी रखकर अंकों का निर्माण करें।

B9F6Z4

अभ्यास-21

मृद गढ़नशीलता

बच्चों में त्रि-अयामी आकृतियों के माध्यम
से सृजनात्मकता का विकास करना

5 6 7 8 9

सौजन्य से: राजकीय शिशु प्रशिक्षण महाविधालय आगरा

श्री धीरेन्द्र कुमार
प्रधानाचार्य GNTC,
वरिष्ठ प्रवक्ता डायट आगरा

शिक्षिका संकाय

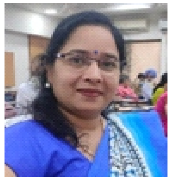

श्रीमती एस बी आरती

डॉ निशी शर्मा

श्रीमती ऋचा पंडित

लिपिक वर्ग

श्री सोहन लाल दीक्षित

श्री पंकज शुक्ला

चतुर्थ वर्ग

रामप्रकाश

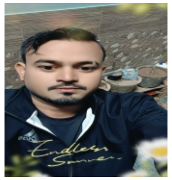

दिनेश धाकड़

सी. टी. प्रशिक्षु द्वितीय वर्ष (बैच 2021-2022)

सरला देवी

रचना

रेखा त्यागी

रशमी यादव

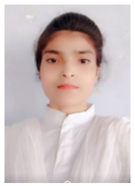

पूनम देवी

सुमन देवी

प्राची दुबे

पिंकी गोले

वर्णिका सिंह

मनीषा पाल

रीना

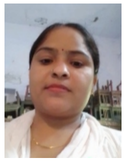

ललिता

स्वाती देवी

दिबया सचान

शिवानी जट्टा

सोनम

शमीम सैफी

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान

प्रशासनिक भवन
पंचकुइयां, शाहगंज, आगरा (उ.प्र.)

शिक्षा का अधिकार
सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

NIPUN BHARAT